केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'उम्मीद ' एक ऐसी 'ऊर्जा' है , जिससे 'जिंदगी' का कोई भी 'अँधेरा' हिस्सा 'रोशन' किया जा सकता है...!!

वर्ष : 16 अंक : 349 | उज्जैन, रविवार 31 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

मिशन वात्सल्य की चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 बनी संकटग्रस्त बच्चों का सशक्त सुरक्षा कवच

24×7 मुस्तैदी- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 हजार से अधिक बच्चों को मिला नया जीवन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लगभग ढाई साल के कार्यकाल में राज्य ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में संवेदनशीलता और गवर्नेंस के एक नये प्रतिमान स्थापित किये है। उनके नेतृत्व में चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 प्रदेश के संकटग्रस्त, शोषित और बेसहारा बच्चों के लिए एक बेहद सशक्त और अभेद्य सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना में चाइल्ड हेल्पलाइन 24 घंटे कार्य कर रही है। यह हेल्पलाइन प्रदेश में हजारों बच्चों को हिंसा, बाल श्रम और मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाकर उनका पुनर्वास सुनिश्चित कर रही है। सरकार के इस प्रभावी कदम से न केवल संकट के समय बच्चों को आपातकालीन मदद मिल रही है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण भी मिल रहा है।

इस हेल्पलाइन की व्यापकता और रिस्पॉन्स टाइम में अभूतपूर्व सुधार आया है, जिसका अंदाजा विभागीय आंकड़ों से साफ लगाया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन से रिकॉर्ड 30 हजार 810 संकटग्रस्त बच्चों को सहायता पहुंचाई गई। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी हेल्पलाइन की टीम पूरी मुस्तैदी से डटी हुई है, जहां महज़ 15 मई तक ही 4 हजार 376 बच्चों तक त्वरित मदद पहुंचाई जा चुकी है। अब तक 2 हजार 367 मामलों का पूरी तरह से निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष बचे मामलों में जिला स्तर पर फॉलो-अप कार्रवाई तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जीरो टॉलरेंस नीति- मिशन वात्सल्य के अंतर्गत नए स्वरूप में संचालित इस हेल्पलाइन को और अधिक हाईटेक और चुस्त रिस्पॉन्स सिस्टम से लैस किया गया है। हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स को उनकी गंभीरता के आधार पर 2 हिस्सों में बांटा जाता है। कोई बच्चा किसी गंभीर या तत्काल खतरे में होता है, तो मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जीरो टॉलरेंस नीति में उस आपातकालीन मामले को तुरंत रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम यानी आरएसएस-112 को ट्रांसफर किया जाता है, जिससे गृह विभाग और पुलिस की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच सके। गैर-आपातकालीन मामलों को संबंधित जिला बाल संरक्षण इकाई को प्रेषित किया जाता है।

इस हेल्पलाइन से प्रदेश के बच्चों को केवल रेस्क्यू ही नहीं किया जा रहा, बल्कि उन्हें समुचित सुरक्षा दी जा रही है। इसमें बच्चों को हिंसा और शोषण से बचाना, उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, मानसिक एवं सामाजिक परामर्श उपलब्ध कराना, बाल श्रम से मुक्ति और सबसे महत्वपूर्ण—लापता बच्चों का उनके परिवारों से पुनर्मिलन कराना शामिल है। बेघर हुए या मानव तस्करी के शिकार बच्चों के लिए यह हेल्पलाइन एक नई जिंदगी की शुरुआत साबित हो रही है।

इन शहरों में दिखा सबसे ज्यादा असर

प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और सतना जैसे बड़े जिलों में हेल्पलाइन का नेटवर्क सबसे ज्यादा सक्रिय रहा है और यहां बड़ी संख्या में बच्चों को रेस्क्यू किया गया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि हमारा उद्देश्य केवल आपातकालीन सहायता देना नहीं, बल्कि हर बच्चे के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है।

विभाग ने मध्यप्रदेश के सभी जागरूक नागरिकों, प्रबुद्ध वर्ग और ग्रामीणों से अपील की है कि वे सूबे के बच्चों के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं। प्रदेश के किसी भी कोने में यदि कोई बच्चा संकट में, बाल विवाह का शिकार, बाल श्रम करता हुआ या किसी भी प्रकार के शोषण से पीड़ित दिखाई दे, तो मूकदर्शक न बनें। राज्य सरकार की चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 पर तुरंत इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते मध्यप्रदेश के हर मासूम का भविष्य सुरक्षित और खुशहाल बनाया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

TMC का चुनाव चिह्न भी विवादों में, कलाकार ने किया डिजाइन चोरी का दावा

कोलकाता/ जीएनएस। तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न 'घासफूल' को लेकर नया विवाद सामने आया है। वरिष्ठ कलाकार सोमनाथ चौधरी ने दावा किया है कि पार्टी के चर्चित प्रतीक का मूल डिजाइन उन्होंने तैयार किया था, लेकिन इसका श्रेय बाद में ममता बनर्जी ने अपने नाम कर लिया। बंगाल की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस के बाहर होने के बाद अब कलाकार ने सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी है। सोमनाथ चौधरी पेशे से कलाकार हैं और एक समय कांग्रेस की छात्र राजनीति से जुड़े थे। उनका कहना है कि वर्ष 1998 में उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अजीत पांजा ने एक नए राजनीतिक दल के लिए प्रतीक तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। हालांकि उस समय उन्हें यह नहीं बताया गया था कि यह प्रतीक बनने वाली नई पार्टी तृणमूल कांग्रेस का होगा। कलाकार के अनुसार, उन्होंने 'घासफूल' का डिजाइन तैयार किया, लेकिन पार्टी गठन के पहले ही दिन टेलीविजन पर उन्होंने देखा कि ममता बनर्जी स्वयं इस प्रतीक को अपनी रचना बता रही हैं। सोमनाथ का आरोप है कि उनकी कला और योगदान को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस समय विरोध या सच्चाई सामने लाने की हिम्मत वह नहीं जुटा सके। उनके मुताबिक, अगर वह इस मुद्दे पर मुखर होते तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते थे। इसी कारण वह वर्षों तक चुप रहे। उल्लेखनीय है कि एक जनवरी 1998 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का गठन हुआ था। लंबे आंदोलन, धरना और राजनीतिक संघर्ष के बाद पार्टी ने बंगाल की राजनीति में मजबूत जगह बनाई और 2011 में सत्ता में आई। करीब 15 वर्षों तक शासन करने के बाद पार्टी को हाल में सत्ता से बाहर होना पड़ा।

भगवान मंत्रियों का इंतजार नहीं करते, उनके लिए सब बराबर

नई दिल्ली/ जीएनएस। मद्रास हाई कोर्ट ने हिंदू मंदिरों में पैसे देकर होने वाले VIP दर्शन को पूरी तरह गलत और भेदभावपूर्ण बताया है। कोर्ट तर्क दिया कि चर्च और मस्जिदों में ऐसी कोई प्रथा नहीं अपनाई जाती, तो फिर मंदिरों में ऐसा क्यों हो? दरअसल, जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन और जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायणन की वेकेशन बेंच ने कहा, ÷मंत्रियों और विधायकों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी भी समय मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं और भगवान उनका इंतजार कर रहे होंगे। आखिर हमें VIP दर्शन की जरूरत ही क्यों है? भगवान की नजर में सभी समान हैं।÷ कोर्ट ने सरकार की उस दलील को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि VIP दर्शन बंद करने से मंदिरों को राजस्व का नुकसान होगा। अदालत ने साफ किया कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों, बुजुर्गों और दिव्यांगों को छोड़कर आम भक्तों के बीच इस तरह का भेदभाव तुरंत बंद होना चाहिए। पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और संवैधानिक अधिकारियों को छोड़कर मंदिरों में वीआईपी दर्शन और विशेष दर्शन को पूरी तरह से समाप्त करने की मांग की गई थी। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी पी. चोकलिंगम द्वारा दायर जनहित याचिका में मानव संसाधन एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग के अधीन मंदिरों में प्रचलित वीआईपी दर्शन की प्रथा को समाप्त करने की मांग की गई है। उनके वकील बी. जगन्नाथ ने बताया कि बांके बिहारी मंदिर मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि विशेष दर्शन और वीआईपी कतार प्रणाली को समाप्त करने के लिए एक समिति का गठन किया जाना चाहिए। इस संबंध में समिति ने पिछले सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

मेरी बेटी ने भी 8वीं तक मराठी पढ़ी, CBSE की तीन-भाषा नीति पर घमासान; धर्मेंद्र प्रधान ने किया बचाव

नई दिल्ली/ जीएनएस। कक्षा 9 के छात्रों के लिए छ्व्रस्श्व की नई तीन-भाषा नीति को लेकर देशभर में जारी बहस के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस नीति का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला देगा, उसका पूरी तरह पालन करेगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, सुप्रीम कोर्ट जो कहेगा, हम वही करेंगे। उन्होंने यह बयान उन सवालों के जवाब में दिया, जो अभिभावकों और छात्रों की ओर से नई भाषा नीति को लेकर उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने साफ किया कि सीबीएसई ने कोई पूरी तरह नई व्यवस्था लागू नहीं की है। उनके मुताबिक देश के लगभग 99 प्रतिशत सीबीएसई स्कूलों में छात्र कक्षा 6 से 8 तक अपनी मातृभाषा या स्थानीय भाषा पढ़ते हैं और नया सर्कुलर सिर्फ इसी व्यवस्था को कक्षा 9 तक जारी रखने की बात कहता है।

धर्मेंद्र प्रधान ने बातचीत के दौरान अपना निजी उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, मेरी बेटी ने भी 8वीं तक मराठी पढ़ी है। उनका कहना था कि भारत में मातृभाषा में पढ़ाई करना कोई नई बात नहीं है और नई शिक्षा नीति 2020 में भी इसे बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ना जरूरी है। सरकार का उद्देश्य भारतीय भाषाओं को मजबूत करना और छात्रों को बहुभाषी शिक्षा से जोड़ना है।

सीबीएसई ने हाल ही में घोषणा की थी कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल होंगी। इसी फैसले के बाद विवाद शुरू हुआ।

नई नीति को लेकर कई अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाओं में कहा गया है कि कई स्कूलों में पर्याप्त भाषा शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं और इससे छात्रों पर अतिरिक्त पढ़ाई का दबाव बढ़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, सीबीएसई और एनसीईआरटी से जवाब मांगा है।

नोएडा की स्पार्क मिंडा कंपनी के प्लांट में लगी भीषण आग, पूरे सेक्टर पर छाया धुएं का गुबार

नई दिल्ली/ जीएनएस। नोएडा सेक्टर-59 में उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां स्थित स्पार्क मिंडा कंपनी के प्लांट में आग लग गई। देखते ही देखते इस आग ने विकराल रूप ले लिया और दूर-दूर तक धुएं का गुबार फैल गया।

बताया जा रहा है कि पूरे सेक्टर-59 में धुआं ही धुआं फैल गया है। धुएं के अलावा इलाके के आसमान में कुछ दिखाई नहीं दे रहा।

आग लगते ही इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुटी हैं।

जानकारी के अनुसार, यह आग शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे लगी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग की तीव्रता को देखते हुए अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने का काम जोर-शोर से चल रहा है।

शुभेंदु सरकार का बड़ा फैसला, सुरजीत नाथ मित्रा बने बंगाल के नए एडवोकेट जनरल

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रशासनिक स्तर पर बड़े फेरबदल का दौर जारी है। शुभेंदु अधिकारी की नई सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता सुरजीत नाथ मित्र को राज्य का नया एडवोकेट जनरल (एजी) नियुक्त किया है। किशोर दत्त के इस्तीफे के बाद से यह पद खाली था।

नवनियुक्त एडवोकेट जनरल सुरजीत नाथ मित्रा मार्च 1983 से वकालत के पेशे में हैं। वे कलकत्ता हाई कोर्ट में दीवानी (सिविल) और वाणिज्यिक मामलों के दिग्गज विशेषज्ञ माने जाते हैं। वर्ष 2023 में राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद में उन्होंने अदालत में राज्यपाल (कुलाधिपति) का पक्ष रखा था।

अभिषेक बनर्जी पर फूटा जनता का गुस्सा, 'चोर' के नारों के बीच चले चप्पल, जूते और डंडे

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार चुनावोत्तर हिंसा के पीड़ित पार्टी कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने निकले पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में अभूतपूर्व जनविरोध का सामना करना पड़ा।

रास्ते भर 'चोर-चोर' और 'गो बैक' के नारों के बीच उनका काफिला घिर गया। प्रदर्शनकारियों ने उन पर अंडे और जूते-चप्पल फेंके, धक्का-मुक्की की, यहां तक कि उनकी सफेद कमीज के बटन टूट गए और कपड़े फट गए।

हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि अपनी सुरक्षा के लिए तृणमूल नेता को आनन-फानन में क्रिकेट खेलने वाला हेलमेट सिर पर पहनना पड़ा। रास्ते में कई जगह महिलाओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए, जिसके कारण उन्हें अपनी चार पहिया गाड़ी छोड़कर मोटरसाइकिल का सहारा लेना पड़ा। सोनारपुर पहुंचने से पहले कामलगाजी इलाके में महिलाओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद जैसे ही अभिषेक सोनारपुर में दाखिल हुए, विरोध और उग्र हो गया। भीड़ ने उन्हें घेर लिया और लगातार अंडे फेंके गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धक्का-मुक्की और हाथापाई में उनकी घड़ी और चश्मा भी क्षतिग्रस्त हो गए।

भारी विरोध के बावजूद अभिषेक अंततः चुनाव बाद हिंसा में मारे गए तृणमूल कार्यकर्ता संजू कर्मकार के घर पहुंचे। वहां उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में डबल इंजन सरकार के नाम पर विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल समाप्त, लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि होंगे नए CDS

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का तीन साल और आठ महीने का कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया। उन्होंने अपने इस कार्यकाल को बेहद संतोषजनक बताया।

रविवार को सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले सीडीएस के रूप में कार्यभार संभालेंगे। विदाई के अवसर पर जनरल चौहान को तीनों सेनाओं द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने नेशनल वार मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

थियेटराइजेशन और ऑपरेशन सिंदूर में रही अहम भूमिका - सितंबर 2022 में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के नौ महीने बाद पद संभालने वाले जनरल चौहान ने सैन्य आधुनिकीकरण में बड़ी भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाना और ऑपरेशन सिंदूर का सफल नियोजन व कार्यान्वयन शामिल रहा।

इसके अलावा, उन्होंने भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करने के लिए थियेटराइजेशन मॉडल (एकीकृत सैन्य कमान) की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। जनरल चौहान का कार्यकाल पिछले साल 30 सितंबर को समाप्त हो रहा था, लेकिन उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था। 1981 में 11 गोरखा राइफल्स में कमीशन पाने वाले जनरल चौहान का सैन्य करियर बेहद शानदार रहा है। फरवरी 2019 में जब भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी शिविरों को नष्ट किया था, तब वह सैन्य अभियान महानिदेशक थे और उन्होंने इस आपरेशन के लिए महत्वपूर्ण इनपुट दिए थे।

भारत हमारे लिए अहम, अमेरिकी राजदूत बोले-ट्रंप भी यही मानते हैं

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहाकि भारत अमेरिका के लिए काफी अहम है और हम, उसे काफी महत्व देते हैं। गोर ने आगे कहाकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यह बात मानते हैं। अमेरिकी राजदूत शुक्रवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहाकि कहाकि उभरते अवसरों, खासतौर पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र का लाभ उठाने के लिए भारत और अमेरिका के बीच की साझेदारी से बेहतर स्थिति में कोई अन्य साझेदारी नहीं है। साथ ही यह भी बताया कि भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता अंतिम रूप दिए जाने की प्रक्रिया में है। अगले कुछ हफ्तों और महीनों में इस पर दस्तखत हो सकते हैं।

गोर ने आगे यह भी कहाकि अमेरिका निर्यात नियंत्रण से जुड़ी अपनी नीति में बदलाव कर रहा है। इससे उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहाकि अमेरिका भारत की क्षमता को पहचानता है और दोनों देशों के बीच का संबंध 21वीं सदी की निर्णायक साझेदारी है। गोर ने कहाकि दोनों देशों के बीच संबंधों को एक अधिक सहज आर्थिक साझेदारी में बदलने का अवसर मौजूद है। भारत-अमेरिका संबंधों को आगे ले जाने की असीमित संभावनाएं मौजूद हैं। राजदूत ने यह भी कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की हालिया भारत यात्रा सार्थक रही।

गौरतलब है कि अमेरिकी दल अंतरिम व्यापार समझौते के ब्योरे को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एक जून को चार दिवसीय यात्रा पर भारत आ रहा है। अमेरिकी दल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों की इस बातचीत में अंतरिम समझौते के ब्योरे को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन और आर्थिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों पर बातचीत को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है।

भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी कर पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार पर एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति व्यक्त की थी। अब दोनों पक्षों को इस समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देना होगा। इस रूपरेखा ने व्यापक भारत-अमेरिका बीटीए वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। रूपरेखा के अनुसार, अमेरिका ने भारत पर शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई थी। उसने रूसी तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले 25 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया था और समझौते के तहत शेष 25 प्रतिशत को घटाकर 18 प्रतिशत करना था।

गर्लफ्रेंड को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी, दो आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खजराना क्षेत्र में गर्लफ्रेंड को मोबाइल पर मैसेज करने की बात को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 29 मई 2026 को अरबाज पिता हुमायूं कुरैशी ने थाना खजराना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 मई की रात आरोपी यूसुफ पठान ने उसे एडी टायर सर्विस रोड, खजराना पर बुलाया था। वहां गर्लफ्रेंड को मोबाइल पर भेजे गए मैसेज को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी यूसुफ पठान और उसके साथी फरहान खान ने अरबाज पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई।

घटना के बाद थाना खजराना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान सूचना मिली कि दोनों आरोपी आरई-2 रोड क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान यूसुफ पठान (20 वर्ष), निवासी चंपाबाग, रावजी बाजार तथा फरहान खान (19 वर्ष), निवासी माणिक बाग रोड, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है तथा कानून-व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

पानी की बर्बादी पर सख्त होगा निगम, समझाइश के बाद होगी चालानी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और पेयजल के अपव्यय को रोकने के लिए नगर निगम ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सभी जोनों के स्वास्थ्य अधिकारियों, प्रभारी मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों एवं सहायक मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे जलप्रदाय के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करें और जहां पानी का अनावश्यक अपव्यय हो रहा हो, वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आयुक्त ने कहा है कि जिन जल संयोजनों के नलों में टोटियां नहीं लगी हैं और जिनके कारण बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह रहा है, वहां सबसे पहले नागरिकों को समझाइश देकर पानी की बर्बादी रोकने और नलों में टोटियां लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। यदि समझाइश के बावजूद पानी का अपव्यय जारी रहता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रतिदिन की जाने वाली चालानी कार्रवाई की रिपोर्ट अपर आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन एवं जलप्रदाय) को प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नगर निगम के अनुसार ग्रीष्मकाल के दौरान जल उपलब्धता और जल प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रातःकालीन निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि शहर की विभिन्न बस्तियों और आवासीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर नलों में टोटियां नहीं होने के कारण जल वितरण के समय बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बहता रहता है। इससे न केवल बहुमूल्य पेयजल की बर्बादी होती है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में जलभराव और गंदगी की स्थिति भी निर्मित हो जाती है।

निगम अधिकारियों ने यह भी पाया है कि कुछ नागरिक पेयजल का उपयोग वाहनों की धुलाई, घरों के आंगन, परिसरों और ओटलों की सफाई जैसे कार्यों में कर रहे हैं। निगम ने इस प्रकार के उपयोग को अनुचित बताते हुए नागरिकों से अपील की है कि पेयजल का उपयोग केवल आवश्यक घरेलू कार्यों और पीने के लिए ही किया जाए।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

महापौर के कामकाज से इंदौर बदनाम हो रहा, कांग्रेस से नहीं : चिंटू चौकसे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव पर निशाना साधते हुए कहा है कि इंदौर को बदनाम कांग्रेस नहीं, बल्कि महापौर का कार्यकाल और उनकी कार्यशैली कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पानी की गुणवत्ता की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर नगर निगम को अपनी व्यवस्था सुधारने का अवसर दिया है, लेकिन इसके बजाय महापौर कांग्रेस पर शहर को बदनाम करने का आरोप लगा रहे हैं।

चौकसे ने कहा कि भागीरथपुरा में दूषित पानी की आपूर्ति से 36 लोगों की मौत की घटना महापौर के कार्यकाल में हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी त्रासदी के बावजूद महापौर ने नैतिक जिम्मेदारी नहीं ली। यदि उन्हें वास्तव में शहर की चिंता होती तो वे इस घटना के बाद अपने पद से इस्तीफा देने पर विचार करते।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भागीरथपुरा घटना के बाद अपने स्तर पर शहर के 29 वार्डों से पानी के नमूने एकत्र कर उनकी जांच करवाई।

कालाकुंड को आदर्श पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा : कलेक्टर शिवम वर्मा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सुशासन एवं संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था के तहत दिए गए दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर श्री शिवम वर्मा शुक्रवार रात्रि ग्राम चौपाल कार्यक्रम के तहत इंदौर जिले के दूरस्थ एवं प्राकृतिक वादियों के बीच बसे कालाकुंड ग्राम पहुंचे। प्राकृतिक सौंदर्य और दूध से बने प्रसिद्ध उत्पाद 'कलाकंद' के लिए विख्यात इस ग्राम में आयोजित अनौपचारिक चौपाल में उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं जानीं। उन्होंने क्षेत्र को अनेक सौगातें भी दी। कलेक्टर श्री वर्मा ने क्षेत्र की विशेषताओं और पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए कालाकुंड को आदर्श पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

चोइथराम मंडी में चाकूबाजी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के चोइथराम मंडी क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की गंभीर घटना का थाना राजेंद्र नगर पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिए हैं।

पुलिस के अनुसार 27 मई 2026 को एक व्यक्ति ने थाना राजेंद्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि चोइथराम मंडी स्थित गेट क्रमांक-1 के पास मोनिका कैंटीन के सामने मंडी में हम्माली का कार्य करने वाले गणेश, आकाश और धर्मेंद्र ने उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर दिया।

हमले में फरियादी के पेट में गंभीर चोट आई। बीच-बचाव के लिए पहुंचे उसके साथी सुनील, रणजीत और अरुण पर भी आरोपियों ने चाकुओं से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना राजेंद्र नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र राजपूत (30 वर्ष), निवासी सिलिकॉन सिटी, आकाश उर्फ कट्टी (19 वर्ष), निवासी न्यू प्रकाश नगर झोपड़पट्टी तथा गणेश (18 वर्ष), निवासी दिग्विजय मल्टी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शयशवंत वडोले, उप निरीक्षक प्रदीप यादव, उप निरीक्षक राजेश सोहनी, प्रधान आरक्षक शशांक दुबे तथा आरक्षक गौरव, रामवीर और पंकज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर पुलिस ने कहा है कि शहर की शांति और कानून-व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर और प्रभावी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

'नई उम्मीद' अभियान से 32 युवाओं ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से इंदौर नगरीय पुलिस द्वारा संचालित नई उम्मीद अभियान के तहत एक और सफल काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। अभियान के 21वें सत्र में 32 नशा प्रभावित बालकों और युवाओं ने भाग लिया तथा भविष्य में नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत जोन-3 पुलिस द्वारा युवाओं और उनके परिजनों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन-3) श्री रामसनेही मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त (हीरा नगर) श्रीमती रुबीना मिजवानी, थाना प्रभारी हीरानगर श्री सुशील पटेल तथा काउंसलिंग समिति के सदस्य डॉ. पीयूष द्विवेदी और उनकी टीम उपस्थित रही।

कार्यक्रम में उन बालकों और युवाओं को शामिल किया गया जो नशे की प्रवृत्ति की ओर बढ़ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों और विशेषज्ञों ने युवाओं से सीधे संवाद कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। कई युवाओं ने स्वीकार किया कि वे नशे की लत के शिकार हो चुके थे, लेकिन पुलिस के सहयोग और सकारात्मक मार्गदर्शन से अब सामान्य जीवन की ओर लौटना चाहते हैं।

सत्र के दौरान शिक्षा के प्रति रुचि रखने वाले बच्चों को शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई। पुलिस द्वारा उन्हें नियमित काउंसलिंग के माध्यम से अच्छे कार्यों और सकारात्मक गतिविधियों के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

काउंसलिंग के दौरान विशेषज्ञों ने पाया कि युवाओं में नशे की लत के प्रमुख कारणों में परिवार के सदस्यों द्वारा स्वयं नशा करना, आर्थिक कमजोरी, गलत संगति और आसपास का नकारात्मक सामाजिक वातावरण शामिल हैं। इन कारणों को ध्यान में रखते हुए युवाओं और उनके परिजनों को जागरूक किया गया तथा उनसे निरंतर संपर्क बनाए रखने की बात कही गई।

इंदौर पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियान केवल काउंसलिंग तक सीमित नहीं है। नशे की लत से बाहर निकलने के इच्छुक युवाओं के लिए मनोरोग विशेषज्ञों के माध्यम से निशुल्क चिकित्सीय परामर्श और उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि भटके हुए युवाओं को सही दिशा दिखाकर उन्हें बेहतर भविष्य प्रदान करना भी है। नई उम्मीद अभियान इसी मानवीय सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

स्वच्छता की मिसाल बनी मां-बेटी की जोड़ी, मेहनत और शिक्षा से पेश की प्रेरक कहानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की पहचान के पीछे हजारों सफाई कर्मियों का समर्पण और अथक परिश्रम है। इन्हीं कर्मयोगियों में शामिल हैं नगर निगम की सफाई कर्मी श्रीमती रजनी नरवले, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद न केवल अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन किया, बल्कि अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। वर्षों से स्वच्छता अभियान से जुड़ी रजनी नरवले ने संघर्ष और मेहनत के बल पर अपनी बेटी सोनाली नरवले की शिक्षा पूरी करवाई। सोनाली ने स्नातक की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद अपनी मां की कार्यनिष्ठा और सेवा भावना से प्रेरित होकर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की आईईसी (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन) गतिविधियों से जुड़कर जनजागरूकता के क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया। वर्तमान में मां और बेटी दोनों मिलकर शहर में स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लोगों तक पहुंचा रही हैं। रजनी और सोनाली की यह जोड़ी विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है। रजनी नरवले का मानना है कि शिक्षा और मेहनत किसी भी व्यक्ति के जीवन को नई दिशा दे सकती है, जबकि सोनाली का कहना है कि उनकी मां के संघर्ष, त्याग और समर्पण ने उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित किया है। नगर निगम अधिकारियों ने भी मां-बेटी की इस प्रेरणादायक यात्रा की सराहना की है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कर्मचारी नगर निगम की वास्तविक शक्ति हैं, जिनकी निष्ठा और सेवा भावना के कारण इंदौर लगातार देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अपनी अग्रणी पहचान बनाए हुए है। अधिकारियों ने कहा कि रजनी नरवले और सोनाली नरवले की कहानी यह संदेश देती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, यदि मेहनत, शिक्षा और सकारात्मक सोच साथ हो तो सफलता की नई कहानी लिखी जा सकती है। नगर निगम परिवार ने दोनों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता की प्रेरणादायक मिसाल बताया है।

संभागीय खाद्य उड़नदस्ता की मसाला निर्माताओं पर छापामार कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध प्रभावी एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संभागवार संभागीय खाद्य उड़नदस्ता का गठन किया गया है। उड़नदस्ते द्वारा आयुक्त के निर्देशानुसार विशेष रूप से मसालों में संभावित मिलावट की जांच हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में इंदौर संभाग के लिए गठित संभागीय खाद्य उड़नदस्ता, इंदौर द्वारा आज इंदौर जिले में मिर्च एवं मसाला निर्माण इकाइयों पर छापामार कार्रवाई कर नमूना संग्रहण एवं जांच की कार्रवाई की गई।

राठौर ट्रेडर्स पर कार्रवाई

राठौर ट्रेडर्स, खंडवा रोड, कैलोद करताल, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में मिर्च पाउडर एवं धनिया पाउडर का निर्माण किया जाना पाया गया। मौके से मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, खड़ा धनिया एवं धनिया दाल के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। लिए गए नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।

सौरभ स्पाइसेस प्राइवेट लिमिटेड पर कार्रवाई

सौरभ स्पाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, खंडवा रोड, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर एवं राई दाल के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। नमूनों को विस्तृत परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

एच.के. फूड पर कार्रवाई

एच.के. फूड, खंडवा रोड, इंदौर का निरीक्षण किया गया। मौके से मिर्च पाउडर एवं नूडल्स मसाला के कुल 02 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान संदेहास्पद खाद्य सामग्री पाए जाने पर शेष भंडारित स्टॉक को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। मौके से लगभग 998 किलोग्राम मिर्च पाउडर (अनुमानित मूल्य 2,99,400) एवं 2398 किलोग्राम नूडल्स मसाला (अनुमानित मूल्य 5,99,500) इस प्रकार कुल 3396 किलोग्राम खाद्य सामग्री (अनुमानित मूल्य 8,98,900) जप्त की गई।

विशेष अभियान जारी

संभागीय खाद्य उड़नदस्ता द्वारा लिए गए सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई संभागीय खाद्य उड़नदस्ता, इंदौर द्वारा की गई। कार्रवाई दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एच. एल. अवास्या, श्री धर्मेंद्र कुमार सोनी, श्री राहुल सिंह अलावा एवं श्री सुभाष खेड़कर शामिल रहे। दल द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूना संग्रहण एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

विचारधारा ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत, कार्यकर्ता आधारित संगठन है पार्टी : महेंद्र सिंह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा देश की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जो विचारधारा के आधार पर संचालित होती है। पार्टी का संगठन कार्यकर्ता आधारित है और कार्यकर्ता विचार आधारित हैं। हमारी विचारधारा ही हमारे लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि जब देश और दुनिया में साम्राज्यवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद का प्रभाव था, तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर राष्ट्र को नई वैचारिक दिशा प्रदान की थी।

महेंद्र सिंह भाजपा इंदौर ग्रामीण द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान वर्ग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा के साथ कुशलता प्राप्त करना ही प्रशिक्षण है। भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जहां बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक प्रशिक्षण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। यही कारण है कि इसे केवल अभियान नहीं, बल्कि महा अभियान कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक जीवन में आचरण और व्यवहार की समझ विकसित होती है। समाज के समक्ष मौजूद चुनौतियों का सामना कैसे करना है, संगठन को कैसे मजबूत बनाना है तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचाना है, इसकी जानकारी भी प्रशिक्षण के जरिए दी जाती है।

अपने संबोधन के दौरान महेंद्र सिंह पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए भावुक हो गए। उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण का वर्णन करते समय उनकी आंखें नम हो गईं।

प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र से पूर्व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने पार्टी ध्वज फहराकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। स्वागत भाषण भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने दिया तथा जिले में मंडल स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण वर्गों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में कई वक्ताओं ने संगठन, विचारधारा और जनसेवा से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, सांसद कविता पाटीदार, विधायक उषा ठाकुर, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, पूर्व विधायक विशाल पटेल, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, उमा नारायण पटेल, गोपाल सिंह चौधरी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, जिला उपाध्यक्ष भगत सिंह चिमली सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक दिवसीय रोजगार मेला 1 जून को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 01 जून 2026 को जिला रोजगार कार्यालय (जिला उद्योग केन्द्र परिसर), इंदौर में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार मेले में युवाओं को करियर निर्माण के अवसरों के साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनमें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी, सूर्यवंशी मशीन टूल्स, यूनिफाई एचआर सोल्युशन, ओशियन मोटर्स एवं मोजेक प्रा.लि. शामिल हैं।

अहिल्या उत्सव 2026: गांधी हॉल में विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ, 'हमारा इंदौर' फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकमाता मां अहिल्याबाई होलकर उत्सव 2026 के अंतर्गत शनिवार को ऐतिहासिक गांधी हॉल में विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। नगर निगम इंदौर एवं संस्था अवाम भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, भाजपा इंदौर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत तथा महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रदर्शनी आगामी तीन दिनों तक शहरवासियों के लिए खुली रहेगी।

इस अवसर पर विधायक गोलू शुक्ला, सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया, पार्षद प्रियंका चौहान, पंखुड़ी जैन, योगेश गेंदर, गजानंद गावड़े सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, कलाकार और फोटोग्राफर उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में इंदौर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक विरासत को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए इसे नई पीढ़ी को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों, योगदान और विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

कार्यक्रम के दौरान अहिल्या उत्सव के अंतर्गत आयोजित हमारा इंदौर फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं की भी घोषणा की गई। प्रतियोगिता में शहर की स्वच्छता, सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों, धार्मिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की झलक को कैमरे में कैद करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कुलदीप केलवा ने प्रथम, राशि जैन ने द्वितीय तथा अंशुल वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

अतिथियों ने फोटोग्राफी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रतिभागी फोटोग्राफरों की रचनात्मकता और कलात्मक दृष्टि की सराहना की।

मिशन 2028 की तैयारी! नीमच में कांग्रेस का शक्ति-संचार, जीतू पटवारी समेत दिग्गज नेता देंगे जीत का मंत्र

10 साल बाद जिले में बड़ा प्रशिक्षण शिविर, संगठन को धार देने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कवायद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में राजनीतिक जमीन मजबूत करने की तैयारी में जुटी कांग्रेस अब संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के अभियान में उतर गई है। इसी रणनीति के तहत 2 और 3 जून को नीमच में जिला कांग्रेस का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित होने जा रहा है। कांग्रेस इसे केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि संगठन में नई जान फूंकने और आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने की बड़ी कवायद मान रही है।

करीब एक दशक बाद जिले में आयोजित हो रहे इस महत्वपूर्ण शिविर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य मंडल अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, नगर अध्यक्षों और सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, राजनीतिक रणनीति और जनसंपर्क के नए तौर-तरीकों से अवगत कराना है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने बताया कि शिविर में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, प्रदेश संगठन मंत्री संजय कामले और प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी सहित कई वरिष्ठ नेता अलग-अलग सत्रों में मार्गदर्शन देंगे।

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन ही भविष्य की राजनीतिक लड़ाई का आधार है। यही वजह है कि कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ चुनावी प्रबंधन, जनआंदोलन, सोशल मीडिया और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शहर के मंगलम रिसोर्ट में आयोजित होने वाले इस शिविर को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जिलेभर से कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता इसमें भाग लेने पहुंचेंगे। राजनीतिक दृष्टि से भी यह आयोजन महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि लंबे समय बाद कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व एक मंच पर नीमच में दिखाई देगा।

वृद्धजनों के स्वास्थ्य के प्रति समर्पित पहलः जिला चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

100 मरीजों ने लिया लाभ, 81 वृद्धजनों की हुई विशेष जांच

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल सर्जन डॉ.महेंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला चिकित्सालय नीमच के रेड क्रॉस सभागार में वृद्धजनों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 100 मरीजों ने पहुंचकर लाभ लिया, जिनमें 81 वृद्धजन शामिल थे।

शिविर में जांच एवं उपचार- शिविर में हाई ब्लड प्रेशर के 58, डायबिटीज के 28, अस्थि रोग के 38 एवं आँखों की समस्या से ग्रसित 15 मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया गया। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण- वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष यादव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.ऋतुराज शर्मा, मेडिकल विशेषज्ञ डॉ.त्रिशान सिंह, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ.अदिति पेंढारकर, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ.दीक्षा यादव एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.अनुराग चौधरी ने शिविर में आए मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श व उपचार प्रदान किया।

एनसीडी क्लिनिक की भूमिका- एनसीडी क्लिनिक स्टाफ मनीष व्यास, नीलम वैद्य एवं टीना राठौर द्वारा मरीजों की बीपी एवं शुगर की जांच की गई। स्टाफ द्वारा मरीजों को मासिक फॉलोअप के लिए प्रेरित किया गया तथा वृद्धावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

हरियाणा से इंदौर जा रही जिंदगी नयागांव टोल पर थम गई, 25 वर्षीय युवक ने रास्ते में तोड़ा दम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक सफर जो हर दिन की तरह शुरू हुआ था, वह नयागांव टोल प्लाजा के पास पहुंचते-पहुंचते मातम में बदल गया। हरियाणा से इंदौर की ओर माल लेकर जा रहे 25 वर्षीय युवक की अचानक तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी सांसें थम गईं। घटना ने साथ चल रहे परिजनों और साथियों को गहरे सदमे में डाल दिया।

जानकारी के अनुसार मनीष सिंह (25) पिता सुरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम बीरडाना, जिला हरियाणा, अपने पिता और अन्य साथियों के साथ ट्रेलर में माल लेकर इंदौर जा रहा था। शनिवार को जब वाहन नयागांव टोल प्लाजा के नजदीक पहुंचा, तभी मनीष को अचानक घबराहट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी महसूस होने लगी। देखते ही देखते उसकी हालत गंभीर हो गई। ट्रेलर में मौजूद लोगों ने स्थिति बिगड़ती देख तुरंत चालक को सूचना दी। वाहन रोका गया और टोल प्लाजा प्रशासन को मदद के लिए अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही टोल प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए अपनी एंबुलेंस मौके पर भेजी और युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय नीमच रवाना किया गया।

हालांकि समय से अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की गई, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसकी मौत रास्ते में ही हो चुकी थी। घटना के बाद जिला चिकित्सालय में आवश्यक कानूनी और चिकित्सकीय औपचारिकताएं पूरी की गईं। इसके बाद युवक का शव उसके पिता सुरेंद्र सिंह और अन्य परिजनों को सौंप दिया गया। शोकाकुल परिजन शव को लेकर अपने पैतृक गांव बीरडाना (हरियाणा) के लिए रवाना हो गए।

अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जो युवक कुछ घंटे पहले अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा था, उसका सफर नयागांव टोल के पास हमेशा के लिए समाप्त हो गया।

गुना में भाजपा विधायक अपनी ही सरकार के मंत्रियों पर भड़के, कहा- ऐसे नाकारा मंत्री को हटाओ

विद्युत की व्याप्त समस्याओं को लेकर भाजपा विधायक जनता के साथ बिजली कंपनी के कार्यालय गए थे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के गुना में भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य शनिवार को अचानक बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंच गए। वह गुना शहर में बिजली की बदहाल व्यवस्था को लेकर बिजली कंपनी के अफसरों का घेराव करने पहुंचे थे। इस दौरान वह अफसरों पर भड़के और कहा कि बिजली के कुप्रबधन के कारण सरकार की बेइज़्ज़ती नहीं सही जाएगी। यहीं नहीं, भाजपा विधायक ने अपनी सरकार के दो मंत्रियों पर तंज भी कसा और कहा कि- मुख्यमंत्री से कहूंगा की ऐसे मंत्रियों को हटाओ। विधायक ने बिजली कंपनी के महाप्रबंधक को भी खूब खरी-खोटी सुनाई। इस पूरे मामले का विधायक का वीडियो भी सामने आया है। विधायक ने मीडिया से भी बातचीत की।

शहर में विद्युत की व्याप्त समस्याओं को लेकर गुना विधायक पन्नालाल शाक्य जनता के साथ बिजली कंपनी के कार्यालय गए थे, वे परिसर में ही आधे घंटे बाहर खड़े होकर ही जीएम बिजली कंपनी को समस्याएं बताईं। जीएम ने विद्युत व्यवस्था में सुधार करने का भरोसा दिलाया

ऊर्जा मंत्री पर कसा तंज- भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर का नाम लिए बगैर उनपर तंज कसा। शाक्य ने कहा कि वो इतने बड़े ज्ञानी है कि मंच पर ढोक देने लगते है। खंभे पर चढ़ जाता हो, नाले में उतर जाता हो, नालियां साफ करता हो, ऐसा जनसेवक हमें नहीं चाहिए। जनता के साथ खड़ा हो। उन्होंने कहा कि भोपाल जाकर हम मुख्यमंत्री से कहेंगे कि ऐसे नाकारा मंत्री को हटाओ। जो अक्षम है उन्हें तुरंत कुर्सी खाली कर देनी चाहिए।

सिंधिया के कार्यक्रम में दिया धक्का- विधायक- इसके बाद विधायक ने जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत पर भी नाम लिए तंज कसा। विधायक ने कहा कि वे तो महाराजा से बड़े हो रहे है। विधायक ने बताया कि मुझे ही सिंधिया के कार्यक्रम में धक्का देकर पीछे कर दिया था। मुझे चलो हटो कहकर किनारे कर दिया। मैंने भी कह दिया कि तू ही घुस जा। विधायक ने दो टूक कहा कि- मैं इनकी मेहरबानी से चुनाव नहीं जीता बल्कि मुझे यहां की जनता ने वोट देकर जिताया है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा प्रभारी मंत्री भी हमें नहीं चाहिए।

नहीं सही जाएगी सरकार की बदनामी, विधायक ने दी चेतावनी- वहीं, भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य ने बिजली कंपनी के जीएम अशोक शर्मा को भी फटकार लगाते हुए कहा कि कर्मचारियों के नाम पर फर्जी लोगों की भर्ती मत करो। चापलूसी मत करो, व्यवस्थाएं सुधारो। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि गुना को बिजली के मामले में मत बदनाम करो। हम तो यही कहेंगे कि मुफ्त में बिजली कौन ले रहा है, किसके दबाब में बिजली मुफ्त में दी जा रही है। बिजली जितनी जलाओ उतना बिल भी दो। मगर मेंटेनेंस के नाम पर अघोषित कटौती मत करो। मेंटेनेंस के लिए नकली सामान मत खरीदो। पत्ता हिलता है बिजली चली जाती है। इसको सुधारो। उन्होंने कहा कि बिजली के कुप्रबंधन की वजह से मध्य प्रदेश सरकार की बदनामी नहीं सही जाएगी।

मध्यप्रदेश में भी आगामी नगरीय निकाय के चुनाव बेलेट पेपर से करवाया जाए- डॉ. राणा

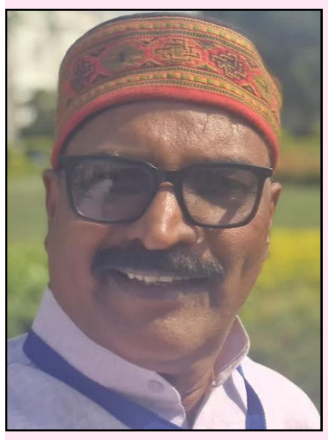

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंजाब में नगरीय निकाय के चुनाव ईवीएम मशीन की बजाय बैलेट पेपर से करवाए गए ।इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय जनता पार्टी के 1145 उम्मीदवारों की जमानत जप्त हो गई अर्थात ईवीएम मशीन की कारीगरी वहां नहीं चल पाई उल्लेखनीय की कांग्रेस शुरू से ही वैलेटे पेपर से चुनाव की मांग करती आ रही है। पंजाब नगरीय निकाय के चुनाव के परिणाम को देखते हुए कांग्रेस नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉक्टर प्रीतिपालसिंह राणा में चुनाव आयोग से मांग की है कि मध्य प्रदेश में भी आगामी नगरीय निकाय के चुनाव बैलेट पेपर से करवाया जाए। उल्लेखनीय की पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के ने आप पार्टी के छह राज्यसभा सांसदों को अपनी पार्टी में मिलाकर चुनाव में जबरदस्त माहौल बनाने का प्रयास किया था परंतु बैलेट पेपर से हुए चुनाव के चलते भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकाय के चुनाव में भारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अतः श्री राणा ने मांग की है की नगरीय निकाय चुनाव के चुनाव के साथ-साथ अन्य सभी चुनाव बैलेट पेपर से ही करवाये जाए।

सामाजिक कार्यकर्ताओं के निर्माण की फैक्ट्री है संघ शिक्षा वर्ग-रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् एवं सामाजिक चिंतक रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा है कि पारिवारिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यों को विधि पूर्वक संपन्न करने के लिए अच्छे कार्यकर्ताओं की आवश्यकता हर क्षेत्र में महसूस की जाती है किंतु अच्छे सूझबूझ वाले संस्कारित कार्यकर्ता बाजार में नहीं मिलते।

आज समाज की स्थिति नदी के किनारे खड़े उस प्यास पथिक के समान दिखाई देती है जो खड़ा तो है जल के अथाह भंडार के पास किंतु मात्र एक घूंट पीने के पानी के लिए भी तरस रहा है। इसी निष्क्रियता एवं

किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति होने के कारण ऐसे समय में हम देखते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसा संगठन है जिसने भारतवर्ष ही नहीं परंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छे कार्यकर्ताओं का निर्माण किया है।

आखिर वह कौन सी बात है कि अन्य सब जगह कार्यकर्ताओं का अकाल है परंतु संघ के पास उनकी पूर्ति का संपूर्ण सामर्थ्य है? इस सब के पीछे संघ की वह शांत, एकांतिक कार्य पद्धति है जो बिना किसी शोर शराबे के प्रतिदिन शाखाओं में निर्माण के साथ-साथ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले संघ शिक्षा वर्ग में संपन्न की जाती है। कार्यकर्ता का निर्माण बड़े धैर्य का काम है, जिसे संघ विगत 100 वर्षों से निरंतर निभाता आ रहा है। संघ ने प्रारंभ से ही समाज कार्य के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की श्रृंखला खड़ी करने की कार्य पद्धति विकसित की है। संघ ने आरंभ काल से ही समाज में चलने वाले अनेक उपक्रमों का उपयोग करके देखा, समाज के स्वभाव को परखा और उस प्रयोग धर्मिता में से ही समाज की आवश्यकता को पूर्ण करने की दृष्टि से संघर्षशील संस्कारित कार्यकर्ताओं के निर्माण के लिए ही संघ शिक्षा वर्गों को क्रमिक रूप से विकसित किया गया है।

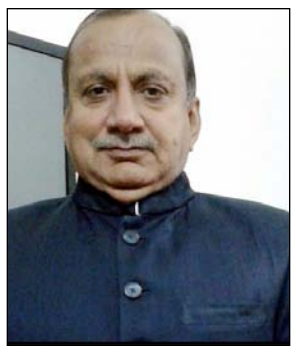

उक्त संघ शिक्षा वर्गों में संघ की कार्य पद्धति की जानकारी, समाज कार्य के लिए आवश्यक गुणों के विकास हेतु शारीरिक कार्यक्रम करने से अपनी क्षमता बढ़ाना, चर्चा, बैठक गीत, कथा-कहानी, बौद्धिक अभिव्यक्ति की क्षमता आदि के माध्यम से होने वाले बौद्धिक प्रशिक्षण से अपने लक्ष्य की स्पष्ट और उसकी पूर्ति हेतु कार्यरत होने की तत्परता जगती है। प्रतिवर्ष संघ शिक्षा वर्ग 15 दिन 20 दिन के लिए किसी एक स्थान पर लगता है तथा विभिन्न जिलों के स्वयंसेवक उसमें अपने स्वयं के खर्चे से आकर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इस प्रशिक्षण में उन्हें प्रातः काल 4-30 से लेकर रात्रि को 10-00 बजे तक निरंतर विभिन्न कार्यक्रमों के बीच से गुजरना पड़ता है। इस कारण उनकी कार्य क्षमता बहुत अधिक बढ़ जाती है। अखिल भारतीय स्तर के अधिकारी प्रतिदिन आकर के उनके सामने बौद्धिक के अनुसार विषय रखते हैं, तथा भारत के समाज की स्थिति, व्यक्ति का चरित्र, राष्ट्रीय चरित्र, भारत की भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, धार्मिक आधारभूत सिद्धांत एवं अपने धर्म के प्रति स्वाभिमान जगाने का प्रयास किया जाता है और यह प्रयास उन 15 दिन में इस मुकाम पर पहुंचता है कि इन्हीं स्वयंसेवकों में से अनेक स्वयंसेवक एक श्रेष्ठ कार्यकर्ता के रूप में अपने-अपने नगर में सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक कार्यों को कुशलतापूर्वक संपन्न करते हैं।

इन वर्गों के कारण संघ को ऐसे कार्यकर्ता प्राप्त हुए जिन्हें देव दुर्लभ कार्यकर्ता कहा जाता है। इन कार्यकर्ताओं ने अपने विलक्षण संस्कारों एवं कार्य कुशलता से अपने-अपने क्षेत्र में बड़े-बड़े कीर्तिमान स्थापित किए है, जो आश्चर्य नहीं लेकिन बहुतों के लिए तो ईर्ष्या का कारण बना है।

मंदसौर के संजीत रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के भवन में भी संघ शिक्षा वर्ग का प्रथम वर्ष चल रहा है। जिसका समापन 31 मई 2026 रविवार को 5-30 बजे वहां पर संपन्न होगा जहां स्वयंसेवकों के द्वारा अपनी योग्यता का प्रकटीकरण किया जाएगा। जिसे प्रकट समारोह के नाम से संबोधित किया जाता है।

इन 15 दिनों के भीतर स्वयंसेवक अपने स्वयं का आने जाने का किराया, रहने का शुल्क, अपनी यूनिफॉर्म, दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति का सामान, स्वयं अपने घर से लाता है। चूंकि उनसे प्राप्त शुल्क पर इतना बड़ा खर्च संभव नहीं होता तो इस खर्च को वहन करने के लिए समाज के विभिन्न वर्ग अपनी अपनी इच्छा से इस वर्ग के संचालन में सहयोग प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संपूर्ण संगठन समाज पर आधारित बना था, समाज के आधार पर चल रहा है और समाज के आधार पर ही चलेगा। किसी सरकार, किसी सत्ता और किसी धनवान का मोहताज संघ कभी नहीं रहा। यही आत्मसम्मान का संस्कार स्वयंसेवकों को इस संघ शिक्षा वर्ग में दिया जाता है। इसलिए विश्व का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन जिसे सांस्कृतिक संगठन कहा जाता है वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ।

बेटे के बदले पिता को अपहृत कर गए आरोपी, डर से गांव में छोड़कर भागे, 10 पर केस, सभी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम तलाव पिपलिया में शुक्रवार सुबह पुरानी रंजिश को लेकर बदमाशों द्वारा युवक के पिता का अपहरण कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए। पुलिस ने छह नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे दौरवाड़ी निवासी विजयसिंह व जसवंतसिंह, बोरदियाखुर्द (नीमच सिटी) निवासी राजपालसिंह, रंजीतसिंह व मंगलसिंह तथा बादपुर निवासी अजयसिंह राजपूत सहित चार-पांच अन्य लोग तीन-चार वाहनों में सवार होकर ग्राम तलाव पिपलिया पहुंचे। आरोपी गांव तलाव पिपलिया निवासी अजयसिंह की तलाश में आए थे, लेकिन वह घर पर नहीं मिला। इस दौरान घर पर मौजूद उसके पिता इंदरसिंह पिता रामसिंह सौंधिया राजपूत को आरोपियों ने पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने इंदरसिंह के साथ मारपीट की तथा बीच-बचाव करने आई महिलाओं के साथ भी धक्का-मुक्की की। इसके बाद आरोपी इंदरसिंह को जबरन कार में डालकर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, वहीं घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई। पुलिस की सक्रियता बढ़ने और मामला फैलने के बाद आरोपी इंदरसिंह को ग्राम बोरदिया खुर्द में छोड़कर फरार हो गए। बाद में इंदरसिंह अन्य व्यक्ति के साथ दोपहर करीब 1 बजे नारायणगढ़ थाने पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी राजेन्द्रकुमार पंवार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी विजयसिंह की पत्नी का इंदरसिंह के पुत्र अजयसिंह से संपर्क था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले भी विवाद हुआ था। आरोप है कि अजयसिंह द्वारा महिला के फोटो व वीडियो वायरल किए गए थे, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था। बाद में समाज के पंचों द्वारा दोनों पक्षों में समझौता भी कराया गया था, लेकिन विजयसिंह अपनी पत्नी को तलाक देने के बाद अजयसिंह से रंजिश रखने लगा था। पुलिस ने मामले में छह नामजद आरोपियों सहित चार-पांच अन्य लोगों के खिलाफ अपहरण, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

सभी कामनाओं को त्यागना भक्त का प्रमुख लक्षण होता है - स्वामी केशवानंदजी

आज होगा नारद भक्ति सूत्र का समापन, कल से होगे सत्यव्रत चैतन्यजी के प्रवचन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरूषोत्तम (अधिक) मास के अवसर पर केशव सत्संग भवन, खानपुरा में पुरूषोत्तम (अधिक) मास के शुभ अवसर पर पूज्य पाद केशवानंद जी महाराज चिन्मय मिशन आकोला ने नारद भक्ति सूत्र पर आधारित दिव्य प्रवचनों का आयोजन प्रात- 8.30 बजे से 10 बजे तक हो रहा है। दिनांक 30 मई, शनिवार को नारद भक्ति सूत्र का वाचन करते हुए केशवानंद जी महाराज चिन्मय मिशन आकोला ने बताया कि नारद मुनि भक्त के लक्षण बताते हुए कहते है कि भक्त का सिर्फ एक मुख्य लक्षण होता है कि वह अपनी सभी कामनाओं का त्याग कर देता है अपनी कामनाओं को त्याग कर मन को नियंत्रित करना भक्त का प्रमुख लक्षण है। आपने बताया कि सच्चे और परम भक्त को भगवान की कृपा स्वत- ही प्राप्त हो जाती है। मन को सदैव अच्छा और शुद्ध रखों, अपने मन में किसी को लेकर कोई मलीनता मत रखों सारे विकारों को त्याग दो और उस मन में भगवान को प्रतिष्ठित करो। धर्मसभा में स्वामी जी ने बताया कि शास्त्र हमारे लिये ही बनाये गये शास्त्रों से हमे आदर्श आचार संहिता के बारे में जानकारी मिलती है कि हमें अपना जीवन कैसे जीना चाहिए अच्छे कर्मो और बुरे कर्मो से क्या फल मिलता हैं इसके कई उदाहरण हमारे शास्त्रों में मिलते है इसलिए जो गुण शास्त्रों में बताये गये है उनका पालन करों और दोष बतायें गये है उनको निषेद्य करो। शास्त्रों में लिखी हर बात हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

सत्संग की कमाई जन्मों जन्म तक चलती है- धर्मसभा में स्वामी जी ने बताया कि व्यक्ति धन एकत्रित करने के लिए जीवन भर भागता रहता है। लेकिन उसके अपने धन से ही उसको अपने जीवन तक में भी शांति नही मिल पाती और उसका अपना कमाया धन ही उसके दुखों का कारण बन जाता है। वहीं सत्संग के माध्यम से की गई कमाई जन्मो जन्म तक हमारे काम आती है।

आज होगा नारद भक्ति सूत्र का समापन- केशव सत्संग भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश चंद्र सेठिया और सचिव कारूलाल सोनी ने बताया कि दिनांक 17 मई से प्रारंभ हुए नारद भक्ति सूत्र का आज समापन होगा जिसके साथ ही पूज्यपाद स्वामी श्री केशवानंद जी विदा लेगे और कल 1 जून से स्वामी सत्यव्रत चैतन्य जी नर्मदा तट के द्वारा रामचरित मानस का वाचन किया जायेगा। केशव सत्संग भवन ट्रस्ट मंडल ने नगर की धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में प्रवचनों का लाभ लेने का निवेदन किया है।

झंझारवाड़ा बनेगा निवेश का नया हबः कलेक्टर चंद्रा ने उद्योगों की नब्ज टटोली, रोजगार बढ़ाने पर जोर

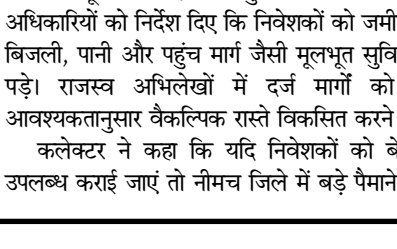

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेती के लिए पहचान रखने वाला नीमच अब उद्योगों के नक्शे पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। जिले में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को झंझारवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उनका फोकस सिर्फ फैक्ट्रियों के संचालन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में जिले को औद्योगिक विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की संभावनाओं पर भी रहा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्र में संचालित इकाइयों की स्थिति, निवेश की संभावनाओं और स्थानीय युवाओं को मिल रहे रोजगार का आकलन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में उद्योगों का विस्तार केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देगा, बल्कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराकर पलायन रोकने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

कलेक्टर चंद्रा ने झंझारवाड़ा स्थित एसीसी ब्लॉक निर्माण इकाई का दौरा कर उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने उत्पादन क्षमता, बाजार की मांग, निवेश और रोजगार से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। साथ ही श्रमिकों की सुरक्षा, फायर सेफ्टी व्यवस्था और सुरक्षा मानकों के पालन की समीक्षा करते हुए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

युवा उद्यमी हातिम नजमी के प्रयासों की सराहना करते हुए कलेक्टर ने कहा कि ऐसे उद्योग जिले में विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। स्थानीय स्तर पर स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाइयां न केवल निवेश आकर्षित करती हैं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोलती हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एमपीआईडीसी द्वारा नवीन उद्योगों के लिए आवंटित भूमि और वहां तक पहुंचने वाले मार्गों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को जमीन आवंटन के बाद सड़क, बिजली, पानी और पहुंच मार्ग जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। राजस्व अभिलेखों में दर्ज मार्गों को व्यवस्थित करने और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक रास्ते विकसित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि यदि निवेशकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो नीमच जिले में बड़े पैमाने पर नए उद्योग स्थापित हो

'प्रतिभा को सम्मान, संस्कार को पहचान': कुकडेश्वर में कुशवाह समाज का सम्मान समारोह

कैबिनेट मंत्री श्री नारायणसिह कुशवाह ने मेधावी विद्यार्थियों, किसानों एवं खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुश कल्याण मंच के तत्वावधान में श्री क्षत्रिय सूर्यवंशी कुशवाह सकल छोकरा समाज द्वारा कुकडेश्वर में संयुक्त सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, प्रगतिशील किसानों, सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों तथा जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का स्वागत-सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथिगण- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू, इंदौर विधायक श्री महेंद्र सिंह हार्डिया, पोहरी विधायक श्री कैलाश कुशवाह, प्रांतीय कुशवाह समाज भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेश मानसिंह कुशवाह, प्रदेश उपाध्यक्ष उज्जैन श्री मुन्नासिंह कुशवाह, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़वानी श्री भगीरथ कुशवाह, पूर्व प्रदेश महामंत्री भोपाल श्री गोपाल कुशवाह, प्रांतीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश श्री सोनू कुशवाह, नगर पालिका अध्यक्ष कुकडेश्वर श्रीमती उर्मिला महेंद्र पटवा एवं श्री नरेंद्र मालवीय मंचासीन थे।

स्वागत-सम्मान- कुश कल्याण मंच कुशवाह समाज के जिला अध्यक्ष श्री गणपत कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष श्री बलराम कुशवाह सहित समिति सदस्यों ने सभी अतिथियों का माला, साल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

प्रतिभाओं का सम्मान- रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रगतिशील किसानों, सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों का भी अभिनंदन किया गया।

सम्पादकीय

चुनावी वादे पूरे करना नवनिर्वाचित सरकारों के लिए साबित होगा भारी-भरकम सिरदर्द

चार राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद अब नवनिर्वाचित सरकारों का ध्यान शासन प्रशासन पर रहेगा। अपने चुनाव घोषणापत्रों में उन्होंने भारी भरकम उपहारों का वादा किया था लेकिन खजाने में इसके लिए बहुत कम गुंजाइश है। इसलिए अब उन्हें बड़ी चिंता इस बात की होगी कि उन वादों को अमली जामा कैसे पहनाया जाए।

इन योजनाओं को लागू करना बड़ी चुनौती होगी क्योंकि ये राज्य पहले से ही वित्तीय दबाव में हैं। साथ ही पश्चिम एशिया में जंग के हालात भी राजस्व पर अच्छा खासा प्रतिकूल प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव डाल सकते हैं। इससे ऊर्जा और अन्य कच्चे माल की कीमतों पर भी असर होगा। जो वादे किए गए हैं उनकी कीमत अब बहुत अधिक होने वाली है क्योंकि ये वृद्धि को बढ़ावा देने वाले और मानव को सशक्त बनाने वाले दीर्घकालिक खर्च की जगह ले सकते हैं।

जिन चार राज्यों में चुनाव हुए उनमें से तीन में सत्ता परिवर्तन हुआ और केवल असम में ही पिछली सरकार बरकरार रही। चारों राज्यों में एक जैसी बात यह रही कि जीतने वाले राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए खूब बढ़ चढ़कर वादे किए। अब जब वे इन वादों को पूरा करने चलेंगे तब उनको अहसास होगा कि हालात कैसे हैं? विडंबना है कि चार में से तीन राज्य ङ्क केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल काफी समय से राजकोषीय दिक्कतों से जूझ रहे हैं और इस मुश्किल आर्थिक परिस्थिति में मुफ्त की रेवड़ियों के लिए संसाधन जुटाने का कोई आसान रास्ता उनके पास नहीं है।

असम और पश्चिम बंगाल में जिस दल की सरकार बनी है वह केंद्र में भी सत्ता में है। ऐसे में संभव है कि उसे केंद्र सरकार से अधिक सहानुभूति पूर्ण व्यवहार मिल जाए। तमिलनाडु की नई सरकार भी टकराव वाले बयानों से बच रही है। लेकिन खुद केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण गंभीर राजकोषीय संकट से जूझेगी और उसके पास भी खर्च करने की सीमित क्षमता ही होगी। जो भी हो, नवनिर्वाचित राज्य सरकारों के लिए सेवाओं की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डाले बगैर चुनावी वादे पूरे करना बहुत बड़ी चुनौती होगी।

भारत में चुनाव 'रेवड़ी' यानी मुफ्त के तोहफे बढ़ाने की उपजाऊ जमीन बन गए हैं। हर राजनीतिक दल सोचता है कि सत्ता में आने का इकलौता तरीका यही है और सब्सिडी या नकद रकम भेजने के लिए नए-नए तरीके ईजाद करता रहता है। सोलहवें वित्त आयोग ने नकद अंतरण की तेजी से बढ़ती इसी प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था, ' बिना शर्त नकद अंतरण 2018-19 और 2025-26 के बजट अनुमानों के दरम्यान 28.8 प्रतिशत की दर से बढ़े हैं।'

उसने यह भी कहा, 'ज बिना शर्त अंतरण नए-नए इलाकों में तेजी से फैल रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा राज्य इन्हें रकम देने का पसंदीदा साधन मानकर अपना रहे हैं।' सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए अपने घोषणापत्रों में बड़े-बड़े वादे करते रहे हैं और सत्ता में आते ही वे वादे उन्हें परेशान करने लगते हैं।

केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की तीन नव निर्वाचित सरकारों की कहानी भी अलग नहीं है। इन तीनों राज्यों के पास ज्यादा राजकोषीय गुंजाइश नहीं है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में राजस्व घाटे की बात करें तो अभी केरल के लिए यह 2.1 प्रतिशत है, जो उसके राजकोषीय घाटे का 77 प्रतिशत है। इसी तरह तमिलनाडु के लिए राजस्व घाटा 1.5 प्रतिशत (उसके राजकोषीय घाटे का 47 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल के लिए 2.4 प्रतिशत (राजकोषीय घाटे का 60 प्रतिशत) है। इसका अर्थ है कि उधार ली गई 50 से 70 प्रतिशत रकम राजस्व व्यय पूरे करने में खर्च हो रही है। इन राज्यों में राजस्व प्राप्तियों का लगभग 20 प्रतिशत ब्याज चुकाने में ही निकल जाता है। जीएसडीपी के अनुपात में बकाया देनदारियों की बात करें तो केरल में ये 37 प्रतिशत, तमिलनाडु में 30 प्रतिशत से अधिक और पश्चिम बंगाल में 40 प्रतिशत से अधिक थीं। सोलहवें वित्त आयोग के अनुसार केरल में बजट के अलावा भी उधारी ली गई है और मार्च 2025 में केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड पर भी लगभाग 28,880 करोड़ रुपये का ऋृण बकाया था। तमिलनाडु में राज्य बिजली वितरण कंपनी पर ही 2023-24 में लगभग 1.73 लाख करोड़ रुपये कर्ज बकाया था। फिर भी मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाएं कम नहीं हो रहीं। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने 40 बिंदुओं वाले अपने घोषणापत्र में हर महिला को 2,500 रुपये महीने देने, छह मुफ्त गैस सिलिंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने, लड़कियों की शादी के लिए आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने, नवजात के लिए सोने की एक अंगूठी देने, हर स्नातक को 4,000 रुपये और हर डिप्लोमा धारक को 2,500 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और हर परिवार के लिए 25 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा सहित अनेक वादे किए गए हैं। जब राज्य के बजट में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये की देनदारी बकाया हैं और बिजली वितरण क्षेत्र पर भी 2 लाख करोड़ रुपये बकाया हों तो इन वादों के लिए रकम जुटाना चुनौती बनेगा। केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पांच गारंटी लागू करने का वादा किया है। ये गारंटी हैं ङ्क सामाजिक कल्याण पेंशन को 3,000 रुपये मासिक तक बढ़ाना, सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा, कॉलेज जाने वाली हर छात्रा को 100 रुपये महीने भत्ता, हर परिवार के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और युवा उद्यमियों के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त व्यापार ऋृण शामिल है।

त्मजागरण की ओर यात्रा, विचारहीन जागरूकता का दिव्य अनुभव

वर्तमान से भागना मनुष्य का स्वभाव है। वह या तो भविष्य में जीता है या अतीत में, कभी वर्तमान में नहीं। एक विचार उठता है और फिर गिरता है, फिर उठता है और फिर गिरता है। ध्यान केवल इन विचारों की लहरों के चरम बिंदु पर ही टिका रहता है। विचारों के बीच... इन दो विचारों के बीच एक खाली जगह होती है जिसे विलंब कहते हैं। यही वर्तमान है।

लेकिन किसी का भी मस्तिष्क धोकर, यह कहकर कि वर्तमान में रहो! आप ऐसा नहीं कर सकते। इसके लिए कुंडलिनी का जागृत होना आवश्यक है। जब वह जागृत होती है, तब आप विचारहीन जागरूकता में स्थिर हो जाते हैं। लेकिन यह जागरूकता प्रबुद्ध होती है।

कुंडलिनी जागरण के माध्यम से हमारें सभी केंद्र प्रबुद्ध होते हैं, और एक नया आयाम खुल जाता है। कुंडलिनी हमारे भीतर पवित्र आत्मा का प्रतिबिंब है। जब कुंडलिनी आज्ञा चक्र के ऊपर उठती है तो आप विचारहीन रूप से जागरूक हो जाते हैं। और जब यह ब्रह्मरंध्र को भेदती है, तो आप सामूहिक चेतना प्राप्त करते हैं, और आपके हाथों से आत्मा के वाइब्रेशन निकलने लगते हैं, जिसे ठंडी हवा के रूप में महसूस किया जा सकता है, बाइबल में भी इसे कूल ब्रीज़ के रूप में वर्णित किया गया है। यही आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का अनुभव है।

जब यह आत्मसाक्षात्कार घटित होता है, तब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को जानने लगता है। उसके भीतर शांति, संतुलन और आनंद का सहज प्रवाह प्रारम्भ हो जाता है। जीवन की समस्याएँ उसे विचलित करने के बजाय सीख और विकास का माध्यम प्रतीत होने लगती हैं। इस जागृत अवस्था में व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ दूसरों के प्रति भी अधिक संवेदनशील, करुणामय और प्रेमपूर्ण बन जाता है। यही आंतरिक परिवर्तन मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर ले जाता है। आइए इस अनुभव का आनंद प्राप्त करने के लिए और अपनी आत्मा का योग परमात्मा से घटित करने के लिए चलिये सहज योग से जुड़ते हैं।

नया न्यायिक सवेरा- जब न्याय समय पर मिले, तो हर घाव भर जाता है

भारतीय न्याय व्यवस्था में कुछ फैसले केवल कानूनी आदेश नहीं होते, बल्कि बदलाव की नई दिशा तय करते हैं। 29 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देश ऐसा ही एक ऐतिहासिक हस्तक्षेप है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सभी हाईकोर्टों को स्पष्ट किया कि सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित (रिजर्व) रखा गया कोई भी फैसला सामान्यतः तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत जारी यह निर्देश महज प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि न्याय की मूल भावना को सशक्त करने का प्रयास है। वर्षों से न्यायालयों में गूंज रही तारीख पर तारीख की संस्कृति पर इसे एक निर्णायक और दूरगामी प्रहार माना जा रहा है।

न्याय की सबसे बड़ी कसौटी केवल निर्णय नहीं, बल्कि उसका समय पर मिलना है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायिक प्रक्रिया की उस गंभीर खामी पर प्रहार करता है, जिससे लाखों मुकदमेबाज वर्षों से प्रभावित होते रहे हैं। अनेक मामलों में बहस पूरी होने के बाद फैसले सुरक्षित रख लिए जाते थे, लेकिन उन्हें महीनों या वर्षों तक सुनाया नहीं जाता था। परिणामस्वरूप पक्षकार कानूनी अनिश्चितता में जीने को विवश हो जाते थे और उनका रोजगार, व्यवसाय तथा भविष्य अदालत के निर्णय की प्रतीक्षा में अटक जाता था। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि न्यायिक फैसलों का अनिश्चितकाल तक लंबित रहना स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि न्याय का अर्थ केवल सुनवाई नहीं, समय पर निर्णय भी है।

इस आदेश की शक्ति उसके संवैधानिक आधार में निहित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21 केवल जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ही नहीं, बल्कि समय पर न्याय की अपेक्षा का भी संरक्षक है। जब किसी व्यक्ति का सम्मान, रोजगार, भविष्य या स्वतंत्रता किसी फैसले पर निर्भर हो, तब निर्णय में अनावश्यक देरी उसके मौलिक अधिकारों को प्रभावित करती है। इसलिए न्यायालय ने समयबद्ध न्याय को महज प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व माना है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत का यह कथन कि उन्होंने अपने लगभग पंद्रह वर्षों के हाईकोर्ट कार्यकाल में कभी किसी रिजर्व फैसले को तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रखा, पूरी न्यायपालिका के लिए एक प्रेरक मानक प्रस्तुत करता है।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट ने सबसे स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने निर्देश दिया कि जमानत याचिकाओं पर आदेश आदर्श रूप से उसी दिन, अथवा अधिकतम अगले दिन जारी हो तथा इसकी सूचना तत्काल जेल प्रशासन तक पहुंचे। यह उन हजारों विचाराधीन कैदियों के लिए बड़ी राहत है, जो दोषसिद्धि के बिना लंबे समय से कारावास में हैं। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रक्रियागत देरी की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। जमानत मंजूर होने के बाद उसका त्वरित लाभ मिलना ही वास्तविक न्याय है। इससे न केवल जेलों का बोझ घटेगा, बल्कि न्यायपालिका में जनविश्वास भी और मजबूत होगा।

इस ऐतिहासिक निर्देश की सबसे बड़ी ताकत उसका जवाबदेह निगरानी तंत्र है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल समय-सीमा तय नहीं की, बल्कि उसके पालन की ठोस व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। तीन महीने के भीतर फैसला न आने पर मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर दूसरी पीठ को सौंपा जा सकेगा। साथ ही लंबित रिजर्व मामलों की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगी। वहीं, जटिल मामलों के लिए सीमित छूट का प्रावधान रखकर न्यायालय ने व्यावहारिक संतुलन भी बनाए रखा है।

यह पहल केवल लंबित फैसलों के निस्तारण का उपाय नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की कार्यसंस्कृति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। देश में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं और लगातार स्थगन, लंबी सुनवाई तथा निर्णयों में देरी ने आम नागरिक के मन में न्याय को एक थकाऊ और अंतहीन प्रक्रिया बना दिया था। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बताता है कि शीर्ष अदालत अब केवल अंतिम फैसले सुनाने तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र को अधिक उत्तरदायी, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समयबद्ध निर्णयों की संस्कृति विकसित होने से न्यायालयों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और मुकदमों के निस्तारण की गति को नई ऊर्जा मिलेगी।

बेशक, इस सुधार की राह पूरी तरह आसान नहीं है। कई हाईकोर्ट न्यायाधीशों की कमी, बढ़ते मुकदमों के बोझ और जटिल मामलों की चुनौती से जूझ रहे हैं। कुछ मामलों में गहन अध्ययन के कारण निर्णय में अतिरिक्त समय भी स्वाभाविक है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने व्यावहारिक संतुलन बनाए रखा है। अतिरिक्त पीठों का गठन, डिजिटल तकनीक का विस्तार, वैज्ञानिक केस मैनेजमेंट और प्रशासनिक दक्षता में सुधार इस बदलाव को गति दे सकते हैं। इन उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन से न्यायिक प्रक्रिया की रफ्तार और गुणवत्ता, दोनों में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

किसी भी न्यायिक सुधार की असली कसौटी उसका प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर होता है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश मुकदमेबाजों को भरोसा देता है कि सुनवाई पूरी होने के बाद उनका मामला अनिश्चित प्रतीक्षा में नहीं रहेगा। किसान, मध्यमवर्ग, उद्योग जगत और समाज के कमजोर वर्गों के लिए समयबद्ध न्याय नई उम्मीद लेकर आएगा। समय पर मिला न्याय कानून की प्रतिष्ठा और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनविश्वास को मजबूत करता है। यदि इस निर्देश का प्रभावी पालन हुआ, तो तारीख पर तारीख की संस्कृति अतीत बन सकती है और समय पर न्याय भारतीय न्याय व्यवस्था की नई पहचान।

-प्रो. आरके जैन

बढ़ती कीमतों से बिगड़ी मध्यवर्गीय सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था

मानवी अहंकार के परिणाम स्वरूप अमेरिका ईरान इजरायल और यूक्रेन रूस युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों के दाम लगभग विश्व के हर देश में बढ़ गए हैं। इसी परिपेक्ष में भारत में भी बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों के करण भारतीय मध्यम वर्गीय अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक संरचना बृहद रूप में प्रभावित हुई है । विश्व स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, युद्धों और शक्ति-संघर्षों का सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। अमेरिका-ईरान तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध तथा मध्य-पूर्व में इजरायल से जुड़े संघर्षों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि ने लगभग प्रत्येक देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने विशेष रूप से भारतीय मध्यम वर्ग की आर्थिक और सामाजिक संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव घरेलू बाजार पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने के साधन नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ हैं। परिवहन, कृषि, उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र लगभग सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन पर निर्भर हैं।

डीजल की कीमतों में वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर पड़ता है। देश में अधिकांश माल ढुलाई ट्रकों के माध्यम से होती है। जब डीजल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि खाद्यान्न, फल-सब्जियां, दूध, दालें, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें स्वतः बढ़ने लगती हैं। व्यापारी अतिरिक्त लागत का भार अंततः उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं। इस प्रकार महंगाई का एक ऐसा चक्र प्रारंभ हो जाता है, जिससे सामान्य नागरिक बच नहीं पाता।

भारतीय मध्यम वर्ग पहले से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने उसकी मासिक आय और व्यय के संतुलन को और बिगाड़ दिया है। जिन परिवारों के पास निजी वाहन हैं, उनके लिए कार्यालय, विद्यालय और अन्य आवश्यक यात्राओं का खर्च बढ़ गया है। वहीं रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि ने घरेलू बजट को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच समझौता करना पड़ रहा है।

महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं है। जब आय स्थिर हो और खर्च लगातार बढ़ता जाए, तो परिवारों में तनाव बढ़ने लगता है। आर्थिक दबाव पारिवारिक संबंधों, सामाजिक सहभागिता और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। मध्यम वर्ग, जो समाज की स्थिरता और विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है, स्वयं असुरक्षा और भविष्य की चिंताओं से घिर जाता है।

-संजीव ठाकुर

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने पेशकिया 'रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़': मल्टी-सेंसरीअनुभव के जरिए फ्लेवर को दी नई पहचान

लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटरने 'ब्लेंडर्स प्राइड रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़' नामक एक नएसांस्कृतिक मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य फ्लेवरको केवल स्वाद तक सीमित न रखते हुए उसे सभी इंद्रियोंसे महसूस किए जाने वाले अनुभव में बदलना है।

ऐसे समय में जब उपभोक्ता अधिक अर्थपूर्ण और प्रीमियमअनुभवों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो उनकी बदलतीपसंद और जीवनशैली को दर्शाते हैं, 'ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्डएक्सपीरियंसेज़' इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए फ्लेवरको एक नई अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है।

'रिज़र्व्ड इन एवरी सेंस' की अवधारणा पर आधारित यह मंचफ्लेवर को एक बहुआयामी यात्रा के रूप में प्रस्तुत करता है– जिसे केवल चखा ही नहीं, बल्कि देखा, सुना, महसूस औरअनुभव भी किया जा सकता है।

शेफ कुणाल कपूर के साथ मिलकर तैयार किए गए इसविशेष अनुभव में एक निजी और एक्सक्लूसिव प्रस्तुति दीगई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक लाइव गैस्ट्रो-परफॉर्मेंसथा, जिसमें संगीत और फ्लेवर को रियल टाइम में एक साथप्रस्तुत किया गया। इसमें टेक्सचर, खुशबू और संगीत कीलय को जोड़कर एक अनोखा बहु-इंद्रिय अनुभव तैयार कियागया।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि फ्लेवर को केवलस्वाद तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे विभिन्नइमर्सिव स्पेस के जरिए अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत कियागया। इनमें विजुअल इंस्टॉलेशन, खुशबू आधारित अनुभव, स्पर्श आधारित गतिविधियां और विशेष टेस्टिंग अनुभवशामिल थे।

एक विकसित होते सांस्कृतिक मंच के रूप में कल्पित, ब्लेंडर्स प्राइड रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़ ने गुरुग्राम और चंडीगढ़ के बाद जयपुर में अपनी प्रस्तुति दी, जबकि इसका अगला पड़ाव कोलकाता होगा। 10+ प्रमुख बाज़ारों में आयोजित इन अनुभवों का उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ गहरा जुड़ाव बनाना और उन्हें फ्लेवर को अधिक इमर्सिव तरीके से अनुभव कराने का।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ÷सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता।

-ललित गर्ग

ईरा और नन्ही गिलहरियाँ

बाहर झमाझम बारिश हो रही थी। आसमान में काले बादल छाए हुए थे और चारों ओर ठंडी-ठंडी हवाएँ बह रही थीं। मौसम इतना सुहावना हो गया था कि मन बार-बार खिड़की के पास जाकर बारिश को निहारने का करता था।

ईरा को तो बारिश बहुत ही पसंद थी। जैसे ही बारिश शुरू होती, वह अपने पापा के साथ खिड़की के पास बैठ जाती। दोनों मिलकर बारिश के गीत गाते और मम्मी गरमा-गरम पकोड़े बनाकर इस खूबसूरत मौसम का मज़ा दोगुना कर देतीं। लेकिन आज बात कुछ और थी।

पापा ऑफिस के काम से शहर से बाहर गए हुए थे। दोपहर का समय था। मम्मी अपने कमरे में सो रही थीं। दादी-दादा गाँव गए हुए थे और आत्तू अपनी सहेली के घर गई थी। घर में इतने सारे लोग होने के बावजूद आज बारिश का आनंद लेने के लिए ईरा बिल्कुल अकेली थी।

वह खिड़की के पास बैठकर बारिश देख रही थी। सातवीं मंज़िल से नीचे का नज़ारा किसी चित्र की तरह सुंदर दिखाई दे रहा था। कुछ बच्चे बारिश में खेल रहे थे। कुछ आंटियाँ छाते संभालते हुए बाज़ार से लौट रही थीं। बीच-बीच में कोई गाड़ी तेज़ी से निकलती और सड़क पर भरा पानी चारों ओर उछाल देती।

अचानक ईरा के मन में एक विचार आया।
क्यों न थोड़ी देर के लिए नीचे चला जाए?
फिर उसे मम्मी का ध्यान आया।
नहीं... मम्मी डाँटेंगी।

लेकिन अगले ही पल उसने खुद को समझाया- बस पाँच मिनट के लिए जाऊँगी। नीचे उस पेड़ पर कितने सुंदर फूल खिले हैं। एक फूल लेकर तुरंत वापस आ जाऊँगी। वैसे भी बारिश अब कम हो गई है।

सोचते ही उसने जल्दी से अपनी चप्पलें पहनीं और दबे पाँव नीचे उतर गई। नीचे पहुँचते ही उसका मन खिल उठा। ठंडी हवा उसके चेहरे को छू रही थी।

अगर पापा साथ होते तो कितना मज़ा आता! उसने मन ही मन सोचा।

वह फूलों वाले पौधे के पास पहुँची। बारिश की वजह से बगीचे में जगह-जगह कीचड़ हो गया था। ऊपर से जो दृश्य इतना सुंदर लग रहा था, नीचे आकर उसकी असली तस्वीर दिखाई दे रही थी।

ईरा अब वापस लौटने ही वाली थी कि अचानक उसके कानों में एक आवाज़ पड़ी।

आवाज़ बगीचे के पीछे वाले पेड़ की ओर से आ रही थी। उत्सुकता से वह वहाँ पहुँची और जैसे ही पेड़ के पीछे झाँका, उसकी आँखें फैल गईं।

एक नन्ही-सी गिलहरी दर्द से छटपटा रही थी। उसका छोटा-सा पैर किसी रंगीन रिबन में बुरी तरह उलझ गया था। उसके पास दूसरी गिलहरी बेचैनी से उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन सफल नहीं हो पा रही थी।

ईरा ने ध्यान से देखा तो उसे अचानक याद आया।

कल उसके दोस्त रौनक का जन्मदिन था। पार्टी में रंग-बिरंगी रिबनों से बहुत सुंदर सजावट की गई थी।

अरे! यह तो उसी सजावट की रिबन है! उसने सोचा।

शायद पार्टी के बाद किसी ने उसे यूँ ही फेंक दिया था और उसी में यह बेचारी गिलहरी फँस गई थी।

ईरा को बहुत दुख हुआ। मम्मी ठीक ही कहती हैं, उसने सोचा, जिस चीज़ की ज़रूरत न हो, उसे कूड़ेदान में डालना चाहिए। यूँ ही फेंकी हुई चीज़ें किसी के लिए मुसीबत बन सकती हैं।

अब सवाल था कि गिलहरी की मदद कैसे की जाए। आस-पास कोई बड़ा भी दिखाई नहीं दे रहा था।

अगर मैं किसी को बुलाने जाऊँ और तब तक इसे चोट लग जाए तो?

ईरा ने निश्चय किया– नहीं, मुझे ही इसकी मदद करनी होगी।

वह धीरे-धीरे गिलहरी के पास गई।

डरो मत छोटी दोस्त, उसने प्यार से कहा, मैं तुम्हारी मदद करने आई हूँ।

शायद प्यार की भाषा सचमुच हर कोई समझता है।

गिलहरी धीरे-धीरे शांत हो गई।

ईरा ने बहुत सावधानी से उसका नन्हा पैर पकड़ा और रिबन की उलझन सुलझाने लगी। कुछ ही मिनटों की कोशिश के बाद रिबन खुल गई।

जैसे ही पैर आज़ाद हुआ, गिलहरी खुशी से उछल पड़ी।

चीं-चीं-चीं!

वह अपनी साथी के साथ फुर्ती से भाग गई।

ईरा मुस्कुरा उठी। अच्छा हुआ मैं नीचे आ गई, उसने सोचा, नहीं तो पता नहीं इस बेचारी का क्या होता!

-मच्छिंद्र ऐनापुरे

सिंथेटिक ड्रग्स पर सख्ती की तैयारी, पुलिस अधिकारियों को दिए गए विशेष गुर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा नशीले पदार्थों एवं सिंथेटिक ड्रग्स की रोकथाम के लिए संचालित ÷ड्रग फ्री इंडिया-से नो टू ड्रग्स÷ अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सहायक उप निरीक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों ने सहभागिता कर नारकोटिक्स अपराधों की रोकथाम, प्रभावी विवेचना एवं कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया, सहायक लोक अभियोजन अधिकारी अलका राणा तथा रईस शेख ने अधिकारियों को मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों की जांच, वैधानिक प्रक्रियाओं और अवैध नशा कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते खतरे, नशा तस्करों के नए तौर-तरीकों तथा उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पुलिस मुख्यालय द्वारा तैयार नारकोटिक अपराध नियंत्रण की त्रिवर्षीय रोडमैप एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों को बताया गया कि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जन-जागरूकता भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा लगातार प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों की क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाना, नारकोटिक्स अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना तथा ÷नशा मुक्त भारत ङ्क सुरक्षित भारत÷ के संकल्प को साकार करने की दिशा में समन्वित प्रयासों को मजबूती प्रदान करना रहा।

शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया को देने के विरोध में हस्ताक्षर अभियान तेज, तीसरे दिन नागरिकों ने जताया विरोध

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया क्षेत्र को उपलब्ध कराने के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पं. रितेश त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। अभियान के तीसरे दिन शहर के नोवेल्टी चौराहे से हस्ताक्षर संग्रह का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नागरिकों ने चर्चा के दौरान कहा कि नगर निगम द्वारा लिया गया यह निर्णय शहर के हित में नहीं है। उनका कहना था कि शिप्रा बैराज का पानी देवास की आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण है, ऐसे में इसे अन्य क्षेत्र को देने का निर्णय पुनर्विचार योग्य है। नागरिकों ने मांग की कि नगर निगम इस प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करे। अभियान का नेतृत्व कर रहे पं. रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शहरभर में शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया को नहीं दें विषय को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से आमजन की भावनाओं को एकत्र कर शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में पूर्व महापौर प्रत्याशी विनोदिनी रमेश व्यास, संजय कहार, पूर्व पार्षद एवं उप नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र यादव 'लल्ला', पूर्व पार्षद एवं शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष कल्याण पवार, राजेश देवड़ा, नईम अहमद, देवेंद्र बाबा चौहान, दीपेश हरोड़े, जितेन बोडाना, गोविंद बोडाना, गौरव राठौर, अनुराग चौहान, नरेंद्र चौहान, जगदीश रैकवार, जगदीशचंद्र मालवीय, उमराव सिंह राठौड़ सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

शांतिवन में की युवक की पिटाई, आरोपियों ने दी जान से मारने की धौंस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार रात को कुछ लोगों ने एक युवक को शांतिवन बुलाकर उसकी बेल्ट व प्लास्टिक के पाईप से जमकर पिटाई कर दी। जिससे युवक को गंभीर चोंट आई है। पुलिस ने युवक की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार फरियादी सूरज पंवार (22) निवासी बेरछा रोड रेलवे पुलिया के पास शाजापुर ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सूरज नगर पालिका के कचरा वाहन में हेल्पर का कार्य करता है। उसने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 7 बजे वह राजेश्वरी मंदिर के पास स्थित चिल्हर नदी पर गया था। इसी दौरान वहां अनिल और उसका एक साथी मिले। फरियादी के अनुसार दोनों आरोपियों ने उसे पुराने श्मशान घाट के पास बुलाया और नदी क्षेत्र में आने को लेकर विवाद करने लगे। इस दौरान दोनों ने उसे पहले तो गालियां दी। इसके बाद अनिल ने बेल्ट से और उसके साथी ने प्लास्टिक के पाइप से मारपीट की। घटना में सूरज की पीठ, छाती, होंठ, गर्दन और सिर पर चोटें आई हैं।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस के अंतर्गत आईक्यूऐसी ,रेड क्रॉस ,रेड रिबन क्लब के तत्वाधान में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस 28 मई के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला देवास के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एस.पी.एस.राणा ने की, मुख्य वक्ता श्रीमती अर्पणा वर्मा उमंग स्वास्थ्य केन्द्र जिला चिकित्सालय देवास रही।

किशोरियों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढाने - मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती वर्मा ने छात्राओं से कहा कि लड़कियों में होने वाली इस जैविक प्रक्रिया को पुराने मिथ्या, छुआछुत आदि से नही जोडना चाहिए।

छात्राओं को सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए जिससे छात्राओं का स्वस्थ्य अच्छा रहेगा। स्वच्छता से जुडे वैज्ञानिक तथ्यों को भी छात्राओं के समक्ष रखा। आपने उपस्थित छात्राओं के जिज्ञासा भरे प्रश्नों का संतोषजनक समाधान किया।

डॉ. राणा ने इस विषय पर छात्राओं को समझाते हुए कहा कि मासिक धर्म की प्रक्रिया नारी समाज के लिए ईश्वर का विशिष्ट वरदान हैं जिससे सृष्टि मानव संतति की निरन्तरता बनी हुई हैं अतः इस दौरान शर्म, झिझक को त्यागते हुए समय के साथ चलना चाहिए। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में छात्राए उपस्थित रही ।

महाविद्यालयीन प्राध्यापको के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ललिता गोरे रही, डॉ. ममता झाला ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा आभार डॉ. रजत राठौर ने माना यह जानकारी रेड रिबन क्लब प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत ने दी।

श्रमिक महिलाओं ने उठाई असमान वेतन और शोषण की आवाज, श्रम पदाधिकारी से मिला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिक महिलाओं ने असमान वेतन, श्रमिकों पर अत्याचार, महिला श्रमिकों के शोषण एवं बाल श्रम जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूलाल नागर एवं इंटक जिला अध्यक्ष महेश राजपूत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल श्रम पदाधिकारी से मिला। शासकीय श्रम पदाधिकारी शैलेंद्र सोलंकी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। महिला श्रमिक श्रीमती शहनाज बानो पटेल ने बताया कि टाटा, पेंटागन, आयशर सहित अन्य कंपनियों में कार्यरत श्रमिक महिलाओं की ओर से यह प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर श्रम विभाग पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने श्रमिक हितों की रक्षा, महिलाओं को न्याय दिलाने तथा श्रम कानूनों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान अधिकारियों को श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। मुलाकात के अवसर पर इंजीनियरिंग मजदूर सेवा संघ के अध्यक्ष राम गुर्जर सहित गजेंद्र जाट, शहनाज पटेल, धन कुंवर, पदमा सोलंकी, आराफत खान, सपना मेहरा, डोरा ठाकुर, तारा विजयवर्गीय, नीलू मोदी, रिंकी गिरी, रचना जायसवाल, पूजा चौहान, भावना भाटिया एवं अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी श्रमिक साथियों ने मजदूर एकता जिंदाबाद के नारों के साथ श्रमिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

बूंदाबांदी ने दिलाई गर्मी से राहत, अब गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

शुरू हुई प्री-मानसून गतिविधियां, दो डिग्री गिरा तापमान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुबह से शाम तक तप रहे नगरवासियों के लिए शनिवार की सुबह राहत भरी रही। इस दिन आसमान पर छाए बादल कुछ देर के लिए ही सही लेकिन बरस पड़े, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। इस बारिश से कुछ देर तक आसमान पर बादल भी छाए रहे जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इसके बाद धूप जरूर खिली, लेकिन ठंडी हवाओं ने राहत का काम किया। मौसम विभाग की माने तो शनिवार रात को व रविवार सुबह गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है।

इसके पहले लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो रहा था। गुरूवार को भी तापमान कम जरूर हुआ था लेकिन उमस के चलते लोगों के पसीने छूट रहे थे। गुरूवार की रात से मौसम में परिवर्तन हुआ और देर रात आसमान पर तेज हवाओं के साथ बादल छाने लगे। इस दौरान बारिश की उम्मीद थी, लेकिन आसमान बादलों से ढंका रहा। सुबह करीब 7.30 बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई जो कुछ देर बाद तेज बारिश में बदल गई। कुछ देर बाद बारिश तो थम गई लेकिन आसमान पर बादलों का डेरा डला रहा और धूप न निकलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दिन अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री से घटकर 40.6 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि इस दिन तीखी धूप भी खिली हुई थी, लेकिन हवाओं की उपस्थिति के चलते गर्मी का असर कम रहा।

देर रात व सुबह से फिर बारिश के आसार- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। जिसके चलते बारिश की संभावना बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात व रविवार सुबह भी गरज-चमक व आधी के साथ बारिश की संभावना है जिससे अब गर्मी से लोगों को राहत मिलती रहेगी।

गो सम्मान अभियान को मिला मुस्लिम समाज का समर्थन, देवास में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

शहर काजी नोमान एहमद अशर्फी ने किए हस्ताक्षर, भाईचारे और सौहार्द का दिया संदेश

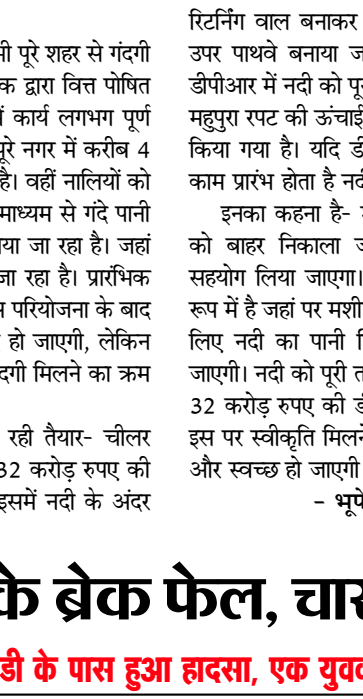

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समस्त साधु संतो गो सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गो सेवक जीतू रघुवंशी द्वारा चलाए जा रहे गो सम्मान आह्वान अभियान को देवास में सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। अभियान के तहत शाही जामा मस्जिद के बाहर मुस्लिम समाज द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और गौ सम्मान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर काजी नोमान एहमद अशर्फी ने भी हस्ताक्षर कर अभियान का समर्थन किया तथा समाज में भाईचारे, आपसी सम्मान और सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान देवास में गंगा-जमुनी तहजीब की सुंदर मिसाल देखने को मिली, जहां विभिन्न समुदायों के लोगों ने धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता का परिचय दिया। अभियान के संयोजकों ने बताया कि गो सम्मान दिवस के तहत 27 जुलाई 2026 एवं 27 अक्टूबर 2026 को देशव्यापी स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रातः 8 बजे से 9ः15 बजे तक विजय मंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का संकीर्तन किया जाएगा। इसके बाद प्रातः 10 बजे जिला कलेक्टर एवं राज्य स्तर पर संबंधित अधिकारियों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री के नाम 10 करोड़ हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। अभियान के प्रमुख उद्देश्यों में देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, गोमाता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक सम्मान दिलाना, गौसेवा के लिए केंद्रीय कानून और केंद्रीय गौसेवा मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि संरक्षण, चारा सुरक्षा नीति तथा गौ आधारित कृषि को प्रोत्साहन देना शामिल है। साथ ही पंचगव्य उत्पादों के निर्माण और विपणन को बढ़ावा देने तथा शिक्षा में गौ महात्म्य को शामिल करने की भी मांग की जा रही है। रघुवंशी का कहना है कि यह आंदोलन अहिंसात्मक और लोकतांत्रिक तरीके से जनजागरण का प्रयास है, जिसका उद्देश्य देशभर में गौ संरक्षण और गौ सम्मान के प्रति व्यापक जनसमर्थन तैयार करना है।

आखिर कब होगा चीलर नदी का उद्धार, दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही नदी की स्थिति, अभी भी ध्यान नहीं दिया तो वर्षाकाल में नदी में नहीं ठहर पाएगा पानी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की जीवनदायिनी चीलर नदी को उद्धार की बाट जोहते हुए कई दशक बीत चुके है। अनेकों बार तैयार हुआ करोड़ रुपए की कार्ययोजना भी इसका उद्धार नहीं कर पाई। हर बार सिर्फ औपचारिकता भर होती है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। विगत कुछेक वर्ष से तो नदी में औपचारिक सफाई भी नहीं हुई। इसके चलते अब पूरी नदी एक सूखे मैदान की तरह हो गई है। ऐसे में यदि इस पर अभी-भी ध्यान नहीं दिया तो इस बार वर्षाकाल में नदी में पानी नहीं ठहर पाएगा। क्योंकि लगातार गंदगी बहकर आने से नदी पूरी तरह उथली हो गई है। ऐसे में देखना होगा कि कब तक अधिकारी इसकी सुध लेते है।

पूर्व में चीलर के पानी में ऊपर से ही तलहटी दिखती थी। लोग नहाते कपड़े धोते थे। युवा नदी में तैराकी प्रतियोगिता करते थे। जगह-जगह किनारों पर लगे बरसों पुराने पेड़ से नदी में गोता लगाने के ठीये बने हुए थे, लेकिन जब से नगर विकास की बातें हुई तब से स्वरूप बदल गया। जिम्मेदारों ने नदी की ओर ध्यान नहीं दिया। इससे नदी में अतिक्रमण के साथ-साथ गंदगी भी बढ़ती चली गई। आज हालत यह है कि पूरे नगरीय क्षेत्र में नदी की चौड़ाई कई स्थानों पर अतिक्रमण के कारण कम हो गई है। वहीं लगातार गंदगी के कारण नदी में जलकुंभी इतनी ज्यादा फैल गई है कि अब नदी में पानी की जगह सिर्फ जलकुंभी ही दिखाई दे रही है। लगातार गंदगी जमने के कारण नदी उथली हो गई है। जिससे इसमें पानी के लिए भी जगह बहुत कम बची है। ऐसे में यदि इस बार भी वर्षाकाल के पहले नदी में जेसीबी और पोकलेन से गंदगी को नहीं हटाया गया तो इसमें वर्षाकाल में पानी ही संग्रहित नहीं हो पाएगा।

13 नाले कर रहे नदी को लगातार मैला

चीलर नदी को गंदा करने में सबसे बड़ा योगदान इसमें मिलने वाले 13 बड़े गंदे नाले है। इन नालों से पूरे नगर की गंदगी बहकर नदी में आती है। इस कारण दिन प्रतिदिन नदी में गंदगी और गाद बढ़ती जा रही है। वर्तमान में तो नदी जलकुंभी के कारण शहरी क्षेत्र में पूरी तरह सूखे हुए मैदान की तरह दिखाई दे रही है।

सीवरेज परियोजना के बाद भी पूरे शहर से गंदगी बहकर आ रही नदी में- विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित मल-जल परियोजना का नगर में कार्य लगभग पूर्ण बताया जा रहा है। इसके चलते पूरे नगर में करीब 4 हजार से ज्यादा चैंबर बनाएं गए है। वहीं नालियों को बंद करके सीधे पाइप लाइन के माध्यम से गंदे पानी को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट ले जाया जा रहा है। जहां पानी से गंदगी को साफ किया जा रहा है। प्रारंभिक दौर में दावा किया गया था कि इस परियोजना के बाद चीलर नदी में गंदगी मिलना बंद हो जाएगी, लेकिन इसके विपरित नदी में लगातार गंदगी मिलने का क्रम जारी है।

32 करोड़ की डीपीआर हो रही तैयार- चीलर नदी की सफाई के लिए करीब 32 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की जा रही है। इसमें नदी के अंदर रिटर्निंग वाल बनाकर अंडरग्राउंड नाली और इसके उपर पाथवे बनाया जाना है। बताया गया कि इस डीपीआर में नदी को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करने, महुपुरा रपट की ऊंचाई बढ़ाने का भी प्रस्ताव शामिल किया गया है। यदि डीपीआर स्वीकृत होती है और काम प्रारंभ होता है नदी का स्वरूप बदल जाएगा।

इनका कहना है- शीघ्र ही चीलर नदी से गंदगी को बाहर निकाला जाएगा। इसमें लोगों का भी सहयोग लिया जाएगा। इसमें कई जगह दलदल के रूप में है जहां पर मशीने भी नहीं उतर पाती है। इसके लिए नदी का पानी निकालकर इसकी सफाई की जाएगी। नदी को पूरी तरह साफ करने के लिए करीब 32 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की जा रही है। इस पर स्वीकृति मिलने के बाद नदी पूरी तरह साफ और स्वच्छ हो जाएगी।

- भूपेंद्र दीक्षित, सीएमओ, नगर

आज शुजालपुर आएंगे प्रदेश के मुखिया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 31 मई को प्रस्तावित शुजालपुर भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार ने निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत भी साथ में थे। मंत्री श्री परमार ने कार्यक्रम स्थल मां शारदा सांदीपनि विद्यालय एवं शासकीय जेएनएस महाविद्यालय शुजालपुर पहुंचकर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

गलत साईड से आ रहे ट्रेक्टर चालक ने बाईक सवार को मारी टक्कर, बाईक सवार के गले में फंसा प्लास्टिक, चिकित्सक ने ऑपरेशन कर निकाला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा परिवार ट्रेक्टर चालक की गलती से हादसे का शिकार हो गया। हादसे में बाईक सवार युवक को गंभीर चोंट आई, जिसके गले में बाईक का टूटा प्लास्टिक घुस गया, जिसे जिला अस्पताल के चिकित्सक ने ऑपरेशन कर बाहर निकाला। वहीं अन्य लोगों का भी जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

घटना शुक्रवार रात की है जब सारंगपुर निवासी मनोज केवट अपनी पत्नी सीमा, बेटे अंश और बेटी श्रद्धा के साथ बाइक से कमरदीपुर गांव में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मनोज गंभीर हालत में सड़क पर तड़पते रहे। इसी बीच वहां से गुजर रहे अस्पताल कर्मचारी मनीष कुशवाहा ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए घायल की मदद की। अस्पताल में उपचार के दौरान पता चला कि बाइक के मरघाट के प्लास्टिक का टूकड़ा मनोज के गले में घुस गया था, जिससे उन्हें अंदरूनी चोटें आई। जिला अस्पताल में पदस्थ ईएमटी डक्टर तेजपाल सिंह जादौन ने तत्काल ऑपरेशन कर प्लास्टिक को बाहर निकाला। फिलहाल जिला अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि घायलों के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बालाजी बस के ब्रेक फेल, चार वाहनों को मारी टक्कर

मंडी के पास हुआ हादसा, एक युवक व मां-बेटे हुए घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सारंगपुर से शाजापुर आ रही बालाजी बस अनियंत्रित हो गई। क्योंकि बस के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस पहले बाईक सवार व दो अन्य वाहनों से टकराई। इस हादसे में मां-बेटे सहित तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की है। जब सारंगपुर से आ रही बस कृषि उपज मंडी के पास आकर अचानक अनियंत्रित हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि निर्माणाधीन पुलिया के पास अचानक बस के ब्रेक फेल होने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। बस पहले बाइक सवारों से टकराई और फिर अन्य वाहनों से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में मझनिया निवासी जितेंद्र शामिल हैं, जो किसी काम से शाजापुर आ रहे थे। बस ने उन्हें पीछे से टक्कर मारी थी। अन्य घायलों में लक्ष्मण और उनकी मां सानूबाई हैं। वे दोनों बैंक संबंधी कार्य के लिए शाजापुर आ रहे थे, लेकिन बस की टक्कर से इस हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर थाने में खड़ा कराया है। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिवंगत पत्रकार अक्षय बारिया के परिवार की मदद के लिए आगे आया आर्यावृत पत्रकार संघ, मुख्यमंत्री से की सहायता की मांग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज और जनहित के मुद्दों को अपनी कलम के माध्यम से प्रखरता से उठाने वाले स्वदेश न्यूज़ मध्यप्रदेश के धार ब्यूरो प्रमुख, दिवंगत पत्रकार अक्षय (अक्की) बारिया के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस कठिन समय में पत्रकारिता जगत ने एकजुटता दिखाते हुए एक अत्यंत सकारात्मक और सराहनीय कदम उठाया है। आर्यावृत पत्रकार संघ ने पीड़ित परिवार का संबल बनते हुए उनकी सहायता का बीड़ा उठाया है।

संघ के पदाधिकारियों ने धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन सौंपकर दिवंगत पत्रकार के परिवार के लिए तत्काल आर्थिक मदद और सुरक्षा की मांग की है की दिवंगत पत्रकार अक्षय बारिया की पत्नी को उनकी योग्यता के अनुसार शासकीय नौकरी दी जाए।मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि अथवा पत्रकार कल्याण योजना के अंतर्गत पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक राहत उपलब्ध कराई जाए। उनके चार वर्षीय मासूम पुत्र की शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सौम्य और मिलनसार स्वभाव के धनी अक्षय बारिया का गत 17 मई 2026 को आकस्मिक निधन हो गया था। उन्होंने अपने पत्रकारिता करियर में धार की ऐतिहासिक भोजशाला सहित अनेक संवेदनशील और जनहित से जुड़े मुद्दों पर लगातार जमीनी रिपोर्टिंग की थी। वे समाज की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने वाले एक सजग प्रहरी थे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान आर्यावृत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, वरिष्ठ सदस्य कमल सिंह सोलंकी, राकेश सिंह चौहान, महेश पाटीदार, पोप सिंह राठौड़ (पप्पी बना) एवं धार जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र जोशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे इस पूरे विषय से शासन और मुख्यमंत्री कार्यालय को तत्काल अवगत कराएंगे। साथ ही उन्होंने प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को यथासंभव और त्वरित सहायता दिलाने का पूरा भरोसा दिया है। संघ के इस प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि पत्रकारिता सिर्फ खबरें लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट के समय अपने साथियों के हक और सम्मान के लिए लड़ना भी इसका एक अहम हिस्सा है।

अक्षय बारिया अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके जाने से वृद्ध माता, पत्नी और चार वर्षीय बेटे के सामने गहरा आर्थिक और मानसिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में शासन स्तर पर तत्काल सहायता मिलना बेहद जरूरी है। जब तक परिवार को पूर्ण सहायता नहीं मिल जाती, आर्यावृत पत्रकार संघ उनके साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़ा रहेगा।

-धर्मेंद्र अग्निहोत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष

विवाद होने पर पति ने ताल-घूसों से पत्नी को पीटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम गुडावन में रहने वाली भावना मजदूरी का काम करती है। उसे सोसाइटी से गेहूं मिले थे। शाम को भावना काम से लौटी तो घर में रखे गेहूं दिखाई नहीं दिये। पति सेवाराम से पूछा तो उसने बेचने की बात कहीं। भावना ने गेहूं बेचने का विरोध किया और बच्चों को क्या खिलाने की बात कहीं तो पति सेवाराम भड़क गया। उसने लात-घूसों से भावना को बुरी तरह पीट दिया। घायल हालत में बच्चों के साथ भावना बिरलाग्राम थाने पहुंची। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद पति पर मारपीट करने का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। एक अन्य मामले में तराना के ग्राम दुबली में रहने वाली सुनीता को पति संजू ने ईंट से हमला कर घायल कर दिया। सुनीता को तराना अस्पताल से उपचार के लिये उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया। जहां सुनीता ने बताया कि पति शराब पीने का आदी है। नशा कर घर आया था और पानी मांगने की बात पर विवाद करते हुए ईंट से मारपीट की। तराना पुलिस सुनीता के बयान दर्ज कर पति के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

करोड़ों रुपए की चोरी मामले में अकोदिया पुलिस का 18 दिन बाद भी हाथ खाली, चोर मस्त, पुलिस पस्त?

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर में हुई करोड़ों रुपए की चोरी के मामले में 18 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। नगर पंचायत के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी 12 मई की रात्रि को नगर के पूर्व पार्षद लोकेंद्र सिंह उर्फ राहुल मंडलोई के निवास पर हुई थी, जिसमें लगभग 32 लाख 50 हजार रुपए नकद एवं 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया था। घटना के बाद पुलिस ने दावा किया था कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा, लेकिन 18 दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे थे तथा जांच के लिए 8 अधिकारियों की विशेष टीम का गठन किया गया था। इससे नगरवासियों को उम्मीद जगी थी कि जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है। पूर्व पार्षद लोकेंद्र सिंह उर्फ राहुल मंडलोई ने बताया कि घटना को लगभग तीन सप्ताह होने को हैं, लेकिन पुलिस चोरी गए माल का तो दूर, आरोपियों का कोई सुराग तक नहीं लगा पाई है। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। नगरवासियों का कहना है कि जिले में चर्चित इस बड़ी चोरी के मामले में अब तक कोई खुलासा नहीं होना चिंता का विषय है। लोगों का आरोप है कि पुलिस मामले को अपेक्षित गंभीरता से नहीं ले रही है। नगर में इस चोरी की चर्चा लगातार बनी हुई है और लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस हाई-प्रोफाइल चोरी मामले का खुलासा कब तक कर पाती है और नगरवासियों को न्याय मिलने की उम्मीद कब पूरी होती है।

एस.एन. कॉलेज में तंबाकू निषेध सम्बंधी कार्यक्रम सम्पन्न

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री नीलकंठेश्वर महाविद्यालय में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू एवं निकोटिन के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एस.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू की लत व्यक्ति को अनेक गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, टीबी एवं हृदय रोगों का शिकार बना देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का आह्वान किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 2026 की थीम आकर्षण का पर्दाफाश- निकोटिन और तंबाकू की लत का मुकाबला विषय पर महाविद्यालय में भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कुमारी रितिका धोटे, श्री रिनेश, श्री आशीष शाह एवं श्री मिलेश बर्डे ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में श्री रिनेश, कुमारी नौरिन, श्री रुपेश सिसोदिया एवं कुमारी काजल ने तंबाकू एवं नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम प्रभारी अमित कुमार अब्राहम ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 के बारे में बताया और जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों एवं स्टाफ सदस्यों को तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई।

फेसबुक पर झूठा प्यार, शादी का झांसा और फिर दरिंदगी, 4 साल बाद मिला इंसाफ, आरोपी को 10 साल की सजा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर दोस्ती कर शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को आखिरकार कानून ने कड़ी सजा दे दी। बड़नगर पुलिस की सख्त कार्रवाई और मजबूत विवेचना के चलते न्यायालय ने आरोपी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

मामले के अनुसार आरोपी नितेश सिंह ने फेसबुक पर खुद को अविवाहित बताकर पीड़िता से दोस्ती की थी। धीरे-धीरे उसने शादी का झूठा सपना दिखाकर महिला का विश्वास जीता और फिर उसी विश्वास को तोड़ते हुए उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए 03 अप्रैल 2022 को थाना बड़नगर में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ धारा 366, 376, 376(2)(ठ) और 506 भादवि के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। विवेचना के दौरान 21 जून 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। करीब चार साल तक चले इस संवेदनशील मामले में पुलिस द्वारा पेश किए गए ठोस साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने 08 मई 2026 को आरोपी नितेश सिंह को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आलोक कुमार शर्मा एवं एसडीओपी बड़नगर महेंद्र सिंह परमार के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार सहित उनकी टीम ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई।

सराहनीय टीम- इस महत्वपूर्ण सफलता में निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह गरवाल, उप निरीक्षक आरती डावर, प्रधान आरक्षक राहुल सिंह, आरक्षक हेमराज खरे एवं शोभित शुक्ला की विशेष भूमिका रही।

ग्राम मोड़ी में पोक्सो अधिनियम पर जागरूकता शिविर आयोजित

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील विधिक सेवा समिति सुसनेर एवं पुलिस विभाग जिला आगर-मालवा के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम मोड़ी में पोक्सो अधिनियम पर विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट सुसनेर अरुंधति परस्ते ने ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चों को नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों की जानकारी देते हुए पोक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण, दुर्व्यवहार या अपराध की जानकारी मिलने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को सूचना देने की समझाइश दी गई। शिविर में बच्चों के सुरक्षित बचपन, उनके संरक्षण तथा कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बाल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर समाज में जागरूकता एवं संवेदनशीलता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस सहित ग्रामीणजन एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल समस्या जानने, सीईओ जिला पंचायत ने ग्रामीण क्षेत्रों का किया निरीक्षण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री सोजान सिंह रावत ने पानी की समस्या जानने के लिए कई ग्रामीण इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें ग्राम विलपुरा के एक वार्ड में पानी की समस्या मिली। चूंकि गांव में पहले ही 6 बोर किए जा चुके थे लेकिन सभी फेल हो गए। इसके चलते सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने ग्राम दुगनावली में बोरिंग कराकर विलपुरा तक पाइप लाइन बिछाने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने बताया कि मितावली गांव में टंकी के माध्यम से लोगों के घरों में तिघरा का पानी सप्लाई किया जा रहा है। वहीं ग्राम नायकपुरा, तालपुरा, भयपुरा में पानी की लाइन बिछाने का कार्य जल संसाधन निगम द्वारा किया जाना था, पूर्व में टेंडर होने के बाद ठेकेदार ने बीच में कार्य छोड़ दिया, जिसके चलते ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। भोपाल स्तर से इन गांवों में पेयजल सप्लाई के लिए टेंडर किए जा चुके हैं, जल्द ही यहां कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन गांवों में बोरिंगों के माध्यम से पानी सप्लाई किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में पानी का संकट नहीं है, जिला पंचायत के अधिकारी लगातार जल सप्लाई को लेकर क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से भी चर्चा की और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी हैंडपंप खराब स्थिति में न रहे।

स्वामित्व योजना के शेष कार्य तेजी से पूर्ण कराने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचे प्रशासनिक अधिकारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामित्व योजना के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचे। अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर योजना की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही मौके पर आवश्यक कार्यवाही कर कार्यों को गति दी।

अपर जिला दण्डाधिकारी श्री प्रसाद ने चीनोर, रिछारी कला, हथनोरा, करई एवं दादोर सहित विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत तैयार किए गए नक्शों का निरीक्षण व संबंधित अभिलेखों की जांच कर योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानी। साथ ही पोर्टल पर आवश्यक प्रविष्टियां भी कराई। इसी प्रकार एडीएम लश्कर श्री नरेंद्र बाबू यादव व एसडीएम घाटीगाँव श्रीमती वंदना जैन सहित अन्य एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर स्वामित्व योजना के कार्य को गति दी।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वामित्व योजना के सभी शेष कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा है कि नक्शों का सत्यापन, अभिलेखों का परीक्षण और पोर्टल प्रविष्टियों का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

शनिवार की रात अजयगढ़ में कलेक्टर ने लगाई रात्रिकालीन चौपाल, कलेक्टर ने ग्रामीणों से की विस्तार से चर्चा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीणजनों की समस्याओं को जानने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ ग्रामीण जनों तक पहुँचाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान शनिवार को देर शाम डबरा विकासखंड के पिछोर तहसील की ग्राम पंचायत अजयगढ़ में पहुँचीं और ग्रामीणों से रूबरू हुईं। कलेक्टर को अपने मध्य पाकर ग्रामीण जनों और महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी महिलायें और ग्रामीणजन कलेक्टर से चर्चा करने के लिये उत्साहित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अजयगढ़ में स्थित सिद्धबाबा की पहाड़ी पर चौपाल लगाकर ग्रामीणजनों से विस्तार से चर्चा की और उनकी समस्यायें भी सुनीं। उन्होंने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से किस प्रकार लाभ लिया जा सकता है, इस संबंध में भी जानकारी दी। रात्रिकालीन चौपाल में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के साथ सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत सहित जिले के सभी विभागीय अधिकारी एक साथ बस में रवाना होकर चौपाल पहुँचे थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि ऐसे बुजुर्ग जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक हो गई है और जिनके पास भूमि भी नहीं है उनको पेंशन देने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। चौपाल में ही चार ऐसे बुजुर्ग जनों का चयन किया गया, जिन्हें पेंशन की पात्रता थी। चौपाल में गाँव की एक बस्ती में लाइट न होने की शिकायत पर जब कलेक्टर ने जानकारी ली तो विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर पर बिल बकाया होने के कारण लाइट उपलब्ध नहीं हो रही है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के कहने पर बस्ती के सभी 15 परिवारों ने बिजली बिल के बकाया का 10 प्रतिशत राशि जमा करने की सहमति दी। कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 10 प्रतिशत राशि जमा होते ही बस्ती की विद्युत सप्लाई प्रारंभ की जाए।

चौपाल में कलेक्टर ने किसानों को भी कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बनी है, वह शिविर में ही बनवा लें। किसानों को अब खाद की उपलब्धता ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही होगी। उन्होंने कहा कि जो भी किसान फार्मर आईडी से वंचित हैं वे शीघ्र अपनी आईडी बनवा लें ताकि खाद प्रापत करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

ग्राम चौपाल में एक ग्रामीण जन के परिवार द्वारा कृषि कार्य करते समय विद्युत तार से करंट आने के कारण मृत्यु हो जाने की जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार कृषि कार्य करते समय किसी दुर्घटना में किसी भी किसान की मृत्यु होती है तो उसे 4 लाख रुपए की सहायता दी जाती है। उक्त परिवार का तत्काल प्रकरण तैयार कर सहायता राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

चौपाल में ग्रामीणजनों ने गाँव की विभिन्न समस्याओं से भी कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को अवगत कराया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को तसल्ली से सुना और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समस्याओं का निराकरण शिविर में हो सकता है उनका निराकरण किया जाए। शेष समस्याओं के संबंध में विभागीय स्तर पर कार्रवाई कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि शासन द्वारा निर्धारित समय अनुसार किसानों को खेती-किसानी के लिये विद्युत सप्लाई उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

ग्राम स्तरीय चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग के काउण्टर पर बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं के संबंध में आवेदन प्राप्त किए और अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणजनों को दी। रात्रिकालीन चौपाल में देर रात तक कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को जाना तथा उनके निराकरण के निर्देश भी दिए।

मोड़ी में शिक्षक मोहनलाल गहलोत का विदाई समारोह संपन्न

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुसनेर के समीप मोड़ी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाजना का खेड़ा में पदस्थ शिक्षक मोहनलाल गहलोत के सम्मान में विदाई समारोह कार्यक्रम शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय मोडी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाजना का खेड़ा में पदस्थ शिक्षक अशोक गोदानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार तिवारी ने की। मुख्य अतिथि भेरूलाल शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राधेश्याम पाटीदार रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम में स्वागत गीत एवं स्वागत वचन अर्चना जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गिरीश शर्मा ने अपने उद्बोधन में मोहनलाल गहलोत के शैक्षणिक, सामाजिक एवं सेवाकालीन योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गहलोत के सरल व्यक्तित्व, कर्तव्यनिष्ठा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर बीआरसी कार्यालय से संतोष भेनिया (बीएसी), विजय जैन (बीएसी), ओमप्रकाश पाटीदार (एमआरसी), शिवनारायण कादरा, जनशिक्षक जगदीश पाटीदार सहित जन शिक्षा केंद्र एवं संकुल केंद्र मोडी के शिक्षकगण तथा विकासखंड की टीम सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक आशीष जैन ने किया एंव आभार शिक्षक अशोक गोदानी ने माना।

कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी फार्म का कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया भ्रमण

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने आज शनिवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी फार्म का भ्रमण कर लौकी एवं खरबूजा के हाइब्रिड बीज उत्पादन की उन्नत तकनीकों का अवलोकन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी के मिश्रा, संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, रजिस्ट्रार एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए के जैन, संचालक विस्?तार सेवाएं डॉ. टी आर शर्मा, उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे, डीन डॉ. अल्पना सिंह, एसडीएम पंकज मिश्रा, सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी तथा फार्म निदेशक डॉ. विजय यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नवलसिंह सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित

नवलनगर (झिरी) जिला-बुरहानपुर म.प्र.
मो. नं. 9303456569
E-mail nssk.mp@gmail.com

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

कारखाने की रहवासी कॉलोनी परिसर स्थित डी-ब्लॉक G+2 बिल्डिंग एवं कारखाना परिसर स्थित किसान सेवा भवन का विथ मटेरियल मरम्मत कार्य हेतू सिलबंद निविदाये दिनांक 15.06.2026 समय 05 बजे तक प्रतिष्ठित ठेकेदारो/कार्यकर्ताओ से निर्धारित टेंडर फार्म मे प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें, टेंडर फार्म एवं मरम्मत कार्य की जानकारी कार्य दिवस मे कारखाना कार्यालय मे संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

प्राप्त निविदाओ को स्वीकृत / निगोशिएट/अस्वीकृत करने का अधिकार कारखाना प्रबंधन का होगा।

प्रबंध संचालक

जनपद अध्यक्ष पर कार्रवाई नहीं होने से भड़के दिग्विजय सिंह, दी जनसुनवाई में आने की चेतावनी

दिग्विजय सिंह ने पूछा, यदि जनपद अध्यक्ष 50,000/- रुपये लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है तो वह गिरफ्तार क्यों नहीं हुआ? अभी तक उसे पद से क्यों नहीं हटाया गया?

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद जनपद के अध्यक्ष और थड़ोद पंचायत के सरपंच और सचिव के भ्रष्टाचार के मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने को लेकर अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने नीमच जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए सीधे कलेक्टर और एसपी को चेतावनी दी है।

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, ÷जिला कलेक्टर महोदय, यदि जनपद अध्यक्ष 50,000/- रुपये लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है तो वह गिरफ्तार क्यों नहीं हुआ? अभी तक उसे पद से क्यों नहीं हटाया गया?÷ उन्होंने आगे सवाल किया कि जब सरपंच व सचिव भ्रष्टाचार की जांच में दोषी पाए गए हैं, तो उन्हें पंचायत अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अपदस्थ क्यों नहीं किया गया। प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा है कि इन सवालों का उत्तर देना पड़ेगा, अन्यथा वे स्वयं

नीमच आकर कलेक्टर की जनसुनवाई में बैठेंगे।

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज कांग्रेस नेता ने जनसुनवाई में सौंपा 'नागरिकता त्यागपत्र', दिग्विजय सिंह ने किया समर्थन, भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज कांग्रेस नेता ने जनसुनवाई में सौंपा दिग्विजय सिंह ने किया समर्थन

पंकज तिवारी दे चुके हैं नागरिकता त्यागपत्र - जनसुनवाई में प्रशासन के रवैये को लेकर आक्रोश का यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व पंकज तिवारी ने भी इसी तरह के मामले में कड़ा रुख अपनाया था। पंकज तिवारी ने जनपद अध्यक्ष और सचिव पर कार्रवाई नहीं से नाराज होकर जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को नागरिकता त्याग पत्र दे दिया था। तिवारी ने प्रशासन पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि जब रंगे हाथों पकड़े गए चोर को सजा के बजाय कुर्सी और सम्मान मिलता है, तो ऐसे सिस्टम में आम नागरिक बनकर रहने का कोई औचित्य नहीं है।

ज्ञापन में कांग्रेस नेता ने लगाये थे गंभीर आरोप - 26 मई मंगलवार को कलेक्टर को नागरिकता त्यागपत्र सौंपने वाले कांग्रेस नेता पंकज तिवारी ने अपने ज्ञापन और मीडिया से बातचीत में जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे उन्होंने आरोप लगाया था कि जावद जनपद के अध्यक्ष गोपाल चारण को लोकायुक्त ने तीन साल पहले रंगे हाथों पकड़ा था और उनके खिलाफ न्यायालय में चालान भी पेश किया जा चुका है वहीं थड़ोद पंचायत के सरपंच और सचिव द्वारा सरकारी राशि के गबन और आर्थिक अनियमिताओं की पुष्टि स्वयं कलेक्टर की जांच में हो चुकी है। लेकिन भ्रष्टाचार प्रमाणित होने के बावजूद पंचायत अधिनियम की धारा 39 और 40 के तहत दोषियों को पद से हटाने की कार्रवाई नहीं की जा रही है।

कांग्रेस नेता पंकज तिवारी ने आरोप लगाया कि जिला पंचायत ष्टश्वह्र और कलेक्टर भारी राजनीतिक दबाव में हैं और फाइलों को दबाकर बैठे हैं, जिससे आम जनता का विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था से उठ रहा है। अब इतने गंभीर मामले में दिग्विजय सिंह की सीधी चेतावनी और जनसुनवाई में आने के अल्टीमेटम के बाद देखना यह है कि जिला प्रशासन जावद जनपद अध्यक्ष सहित अन्य दोषियों पर क्या कदम उठाता है?

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिला अस्पताल में रक्तदान के प्रति किया जागरूक

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा जिला अस्पताल झाबुआ स्थित ब्लड स्टोरेज सेंटर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित मरीजों के परिजनों एवं आमजन को रक्तदान के महत्व एवं आवश्यकता के संबंध में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. बघेल ने बताया कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है। वर्तमान समय में रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है, इसलिए आवश्यकता पड़ने पर केवल मानव द्वारा दान किया गया रक्त ही किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से न केवल जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलता है, बल्कि समाज में मानवता, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी सुदृढ़ होती है।

उन्होंने बताया कि एक यूनिट रक्तदान से तीन से चार मरीजों की सहायता की जा सकती है। दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, प्रसूता महिलाओं, ऑपरेशन से गुजर रहे मरीजों, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय-समय पर रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. बघेल ने कहा कि रक्तदान एक पूर्णतः सुरक्षित प्रक्रिया है तथा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे रक्तदान के प्रति जागरूक बनें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने रक्तदान के लिए पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग का स्वस्थ व्यक्ति, जिसका वजन निर्धारित मानकों के अनुसार कम से कम 45 से 50 किलोग्राम हो तथा हीमोग्लोबिन स्तर निर्धारित मानकों के अनुरूप हो, रक्तदान कर सकता है। साथ ही व्यक्ति किसी गंभीर संक्रामक रोग से पीड़ित नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने रक्तदान के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा भविष्य में स्वैच्छिक रक्तदान करने की इच्छा व्यक्त की। स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी समय-समय पर रक्तदान के प्रति जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

रक्षा सखी अभियान के माध्यम से छात्राओं को किया गया जागरूक एवं सशक्त

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में सामुदायिक पुलिसिंग एवं महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु चलाए जा रहे रक्षा सखी अभियान के अंतर्गत 29 मई को महिला थाना बड़वानी पुलिस द्वारा शासकीय अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रावास बड़वानी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध, यातायात नियमों के पालन एवं शासन द्वारा संचालित महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों के संबंध में डीएसपी अजाक श्रीमती निलेश्वरी डावर, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक सुनीता मुजाल्दा एवं उपनिरीक्षक रचना तोमर द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को आत्मरक्षा, जागरूकता एवं पुलिस सहायता के प्रति प्रेरित किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन, साइबर हेल्पलाइन, डायल-112 एवं अन्य पुलिस सहायता सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। महिला थाना पुलिस बड़वानी द्वारा छात्राओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

कथक नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कथक की प्रस्तुति से बालिकाओं ने दर्शकों का मन मोह लिया कथक समारोह जैसे कार्यक्रम बार बार होना चाहिए बडवानी30 मई 2026/ विगत रात्रि में संपन्न हुवे कथक नृत्य समारोह की प्रशंसा करते हुवे सभी अतिथियो ने कहा बालिकाओं का कथक नृत्य अदभुत था,केवल पांच दिनों की कार्यशाला में सिख कर सुंदर नृत्य से बालिकाओं ने दर्शकों के मन को मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने व्यस्त कार्यक्रम होने से मोबाइल से अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के विशेष अथिति के रूप में पूर्व मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल, विधायक श्री राजन मंडलोई, पुलिस अधीक्षक श्री पदम विलोचन शुक्ल, नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्री करण सिंह दरबार, डॉ रश्मि पाटीदार ने सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन से कथक नृत्य का भव्य शुभारंभ किया। समारोह में अंतर्राष्ट्रीय कथक कलाकार गौरी देशमुख एवं उनकी शिष्याओं का शिल्ड भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही कक्षा 12वी तथा कक्षा 10वी बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में स्थान बनाने वाली बालिका ओमामा मंसूरी तथा महक गोले का सम्मान भी अतिथियों द्वारा मंच पर किया गया। इसके बाद नन्ही - नन्हीं बालिकाओं द्वारा जब मंच पर पहली प्रस्तुति प्रारंभ की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, हर कोई बोल उठा वाह क्या नृत्य किया है, केवल पांच दिनों की कार्यशाला में गोरी देशमुख ने अपने प्रशिक्षण से जैसे उनके पैरों में जान डाल दी हो।

राजस्थान में पेट्रोल पंप हड़ताल का ऐलान, सीमावर्ती नीमच में ईंधन संकट की आशंका, वैट और लागत बढ़ोतरी से डीलर्स नाराज, पूरे प्रदेश में बंद की चेतावनी

सरकार को दिया 4 दिन का अल्टीमेटम, आम जनता की बढ़ी चिंता, लोग पहले से भरवा रहे फ्यूल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले की सीमा से सटे राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालकों ने 1 जून को राज्यव्यापी हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में भी ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। नीमच जिले के बड़ी संख्या में लोग पहले से ही रेट अंतर के चलते राजस्थान से पेट्रोल-डीजल भरवाने जाते हैं, ऐसे में हड़ताल का सीधा असर स्थानीय उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है।

सरकार और तेल कंपनियों को दी चेतावनी- पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि बढ़ती लागत, तेल कंपनियों की नीतियों और पड़ोसी राज्यों की तुलना में अधिक वैट के कारण पेट्रोल पंप संचालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और तेल कंपनियों द्वारा जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो पूरे प्रदेश में पेट्रोल पंप बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

परिवहन व्यवस्था और रोजमर्रा की गतिविधियां होंगी प्रभावित- एसोसिएशन के अनुसार हड़ताल के दिन विभिन्न जिलों में धरना-प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। इस निर्णय के बाद आम जनता की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि पेट्रोल पंप बंद रहने की स्थिति में परिवहन व्यवस्था और रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

उपभोक्ताओं में बढ़ रहा असंतोष- डीलर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि तेल कंपनियों द्वारा सप्लाई व्यवस्था में अनियमितता बरती जा रही है, जिसके कारण कई पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध नहीं हो पा रहा। इससे कई स्थानों पर लंबी कतारें लगने की स्थिति बन रही है और उपभोक्ताओं में असंतोष भी बढ़ रहा है।

छोटे पंप संचालक आर्थिक संकट में- पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि उनका परिचालन खर्च लगातार बढ़ रहा है, जिसमें बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के रखरखाव जैसे खर्च शामिल हैं, लेकिन कमीशन में कोई राहत नहीं दी जा रही है। इससे कई छोटे पंप संचालक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

एसोसिएशन ने राज्य सरकार को दिया चार दिन का अल्टीमेटम- एसोसिएशन ने राज्य सरकार को चार दिन का अल्टीमेटम देते हुए मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों को पत्र भेजकर तत्काल समाधान की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 1 जून से प्रदेशभर में पेट्रोल पंप बंद रहेंगे और आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सीमावर्ती राज्य एमपी तक दिखेगा हड़ताल का असर- यदि हड़ताल होती है तो इसका सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों, किसानों, ट्रांसपोर्ट सेक्टर और बाजार व्यवस्था पर पड़ने की संभावना है। ईंधन आपूर्ति बाधित होने से बसों, ट्रकों और निजी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। अब सभी की नजर राज्य सरकार और तेल कंपनियों के अगले कदम पर टिकी हुई है कि क्या समय रहते समाधान निकलता है या 1 जून को राजस्थान में पेट्रोल पंप बंद रहेंगे, जिसका असर सीमावर्ती मध्यप्रदेश तक भी देखने को मिल सकता है।

जिले में उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था 'ई-विकास प्रणाली' का जायजा लेने क्षेत्र भ्रमण कृषक बंधु सुगमता से ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक प्राप्त करें

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कृषकों को समय पर एवं सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था 'ई-विकास प्रणाली' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित समीक्षा एवं मैदानी स्तर पर निरीक्षण किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एन.एस. रावत के निरंतर प्रयासों से जिले के कृषकों को खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी के लिए उनकी आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में 30 मई 2026 को उप संचालक कृषि श्री रावत द्वारा जिले के विभिन्न उर्वरक विक्रय केन्द्रों एवं सहकारी संस्थाओं का भ्रमण कर ई-विकास प्रणाली के सुचारू संचालन का जायजा लिया गया।

भ्रमण के दौरान भंडारी ब्रदर्स पारा, गीतांजलि ट्रेडर्स पारा, सार्थ एग्रो पारा, पाटीदार एग्रो एजेंसी राणापुर, श्री बालमुकुंद ट्रेडर्स कुंदनपुर तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था ढेकलबड़ी का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर किसानों एवं उर्वरक विक्रेताओं को ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक क्रय-विक्रय करने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में 01 अप्रैल 2026 से 30 मई 2026 तक कुल 23,783 किसानों द्वारा उर्वरक प्राप्ति हेतु ई-टोकन जनरेट किए गए हैं, जिनमें से 7,875 किसानों ने ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक प्राप्त कर लिया है। वहीं केवल 30 मई 2026 को ही 730 किसानों ने ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक का उठाव किया है।

कृषक बंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपनी आवश्यकतानुसार निकटस्थ सहकारी संस्था अथवा पसंदीदा उर्वरक विक्रेता से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसका उठाव करें।

ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी कृषक, शारीरिक रूप से दिव्यांग कृषक, वृद्ध कृषक, मृतक कृषकों के वारिस तथा धार्मिक संस्थानों एवं ट्रस्ट की भूमि के लिए भी उर्वरक उपलब्ध कराने की विशेष सुविधा प्रदान की गई है।

कृषक खरीफ फसलों के लिए अनुशंसित मात्रा के अनुसार यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एनपीके एवं पोटाश उर्वरकों की संपूर्ण मात्रा एक बार में प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यकता होने पर किसान पुनः पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अपनी सुविधानुसार उर्वरक की अतिरिक्त बुकिंग भी कर सकते हैं। उर्वरक वितरण व्यवस्था, ई-टोकन जनरेशन अथवा ई-विकास पोर्टल संबंधी अधिक जानकारी के लिए कृषक अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारियों, कृषि विभाग के कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र से संपर्क कर सकते हैं।

बोरगांव से शाहपुर तक 4 लेन राजमार्ग बनने से म.प्र. और महाराष्ट्र के बीच बढ़ेगा सम्पर्क

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य भारत के केले के प्रमुख उत्पादक केन्द्र खंडवा और बुरहानपुर में प्रतिवर्ष 1.7 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक केले का उत्पादन होता है। यहां से प्रतिदिन 140 भारी-भरकम ट्रक घरेलू बाजारों और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक केले पहुंचाते हैं। वर्षों से इन ट्रकों को संकरी और जर्जर सड़कों से होकर गुजरना पड़ता था। इससे आवागमन धीमा हो जाता था, यात्रा का समय बढ़ जाता था और परिवहन एक कठिन कार्य बन जाता था। लेकिन महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत एनएच-753 एल के बोरगांव से शाहपुर खंड के आधुनिक चार-लेन वाले राजमार्ग गलियारे के रूप में विकसित होने से अब यह स्थिति बदलने वाली है। एन एच-753 एल का बोरगांव से शाहपुर तक का खंड रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है और यह महाराष्ट्र में बोरगांव बुजुर्ग से मुक्ताईनगर तक फैले एक बड़े गलियारे का हिस्सा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित इस गलियारे से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अंतर-राज्यीय संपर्क को नया रूप मिलने की उम्मीद है। लगभग 944 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा यह गलियारा लगभग 47 किलोमीटर लंबा है और इसका 85 प्रतिशत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पूर्ण रूप से निर्मित होने के बाद, यह मार्ग इंदौर और छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के बीच एक तेज, सुरक्षित एवं अधिक कुशल वैकल्पिक संपर्क के रूप में उभरेगा और क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करते हुए अंतर-राज्यीय परिवहन की एक प्रमुख धुरी बन जाएगा।

यह परियोजना केले, कपास, सोयाबीन और गेहूं जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध कृषि प्रधान क्षेत्रों से होकर गुजरती है। स्थानीय किसानों और ट्रांसपोर्टरों के लिए, इन बेहतर सड़कों का सीधा लाभ यह होगा कि उनकी बाजार तक तेजी से पहुंच संभव होगी और परिवहन लागत में कमी आएगी।

गर्मी के मौसम में सब्जियों के सुरक्षित भंडारण एवं उपयोग हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन की एडवाइजरी जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जनहित में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला झाबुआ द्वारा गर्मी एवं उमस के मौसम में फल एवं सब्जियों के सुरक्षित भंडारण और उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण सलाह जारी की गई है। यह सलाह भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्नस्स्ंढ्ढ) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर आधारित है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि तेज गर्मी एवं अधिक नमी के कारण पालक, मेथी, धनिया जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। सब्जियों को सुरक्षित एवं ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाने के बाद साफ पेपर टॉवल (अखबार नहीं) अथवा सूती कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी को सोख लेता है, जिससे सब्जियों में सड़न और फफूंद लगने की संभावना कम हो जाती है।

एफएसएसएआई के अनुसार, गर्मियों में प्लास्टिक की बंद थैलियों में सब्जियां रखने से उनमें गैस और भाप जमा हो जाती है, जिससे वे शीघ्र खराब हो सकती हैं। इसलिए छिद्रयुक्त अथवा नेट बैग का उपयोग करना अधिक उपयुक्त है, जिससे हवा का उचित प्रवाह बना रहता है। साथ ही फ्रिज को अत्यधिक भरने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उसकी शीतलन क्षमता प्रभावित होती है।

खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार गर्मियों में रेफ्रिजरेटर के मुख्य भाग का तापमान 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच बनाए रखना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार सभी सब्जियों को फ्रिज में रखने की आवश्यकता नहीं होती। टमाटर, आलू, प्याज एवं खीरे को सामान्य कमरे के तापमान पर खुले एवं हवादार स्थान पर रखा जा सकता है, जबकि हरी मिर्च, नींबू तथा पत्तेदार सब्जियों को फ्रिज के वेजिटेबल बॉक्स में रखना अधिक उपयुक्त होता है।

निःशुल्क मिर्गी रोग जांच एवं निदान शिविर संपन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ने किया निशुल्क मिर्गी रोग शिविर का शुभारंभ लायंस क्लब बडवानी एवं सामाजिक चिंतन ग्रुप के सहयोग से हुआ आयोजन बड़वानी जिले में पहली बार मिर्गी रोगियों का हुआ ईलाज बड़ौदा और इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने दिया परामर्श एवं उपचार बड़वानी 30 मई 2026/ बड़वानी जिला चिकित्सालय में बड़वानी कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में डॉ राजेश गुप्ता और डॉ मनोज खन्ना के निर्देशन में लायंस क्लब बड़वानी सिटी, जिला चिकित्सालय बड़वानी और सामाजिक चिंतन मंच के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बड़वानी कलेक्टर जयति सिंह, सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना, वॉयस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राम जाट, डॉ. चतुर्भुज राठौड़ एवं डॉ. के.एस. रावत द्वारा किया गया । कार्यक्रम के शुभारंभ में कलेक्टर जयति सिंह द्वारा लायंस क्लब की प्रशंसा करते हुए कहा कि बड़वानी जिला एक आकांक्षी जिला है और इसमें इस तरह के शिविरों का आयोजन होने से कई जरूरतमंदों को लाभ मिलेगा । उन्होंने कहा कि सभी मरीज इसका लाभ ले और डॉक्टर द्वारा बताये गये इलाज और दवाइयों का समय - समय पर सेवन करे और यदि किसी मरीज को उच्च लेवल पर किसी जांच की आवश्यकता हो तो जिला प्रशासन भी उसकी मदद और सहयोग के

लिए तत्पर रहेगा । उन्होंने लायंस क्लब, सामाजिक चिंतन मंच और जिला चिकित्सालय एवं डॉक्टर्स की टीम को इस सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर बड़ौदा के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. चतुर्भुज राठौड़ द्वारा बताया गया कि मिर्गी रोग न ही कोई भूत प्रेत या हवा बाधा या पागलपन की बीमारी है बल्कि यह अन्य बीमारियों की तरह ही एक दिमागी बीमारी है जो कि उपचार के द्वारा ठीक हो सकती है और वह अपना सामान्य जीवन जी सकते है और उन्हें अपने दैनिक कार्यो में या गर्भावस्था में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी । लायन महेश शर्मा एवं लायन महेश जोशी ने बताया कि लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर कई तरह के शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है इसी तारतम्य में बड़वानी जिले में पहली बार मिर्गी रोगियों के लिए निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया है । इस शिविर में जायडस हास्पिटल बड़ौदा के डॉ चतुर्भुज राठौर (एम डी,डी एम) जो भारत के शिर्ष मिर्गी रोग विशेषज्ञों में से एक है और डॉ के एस रावत प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट (डी एम) इंदौर द्वारा अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गई । शिविर में बड़वानी जिले के साथ-साथ धार, झाबुआ और खरगोन और इंदौर जिले के मरीजो ने भी स्वास्थ्य लाभ लिया । इंदौर से आए आनंद हॉस्पिटल के डॉ. चेतन पाटीदार ने बताया कि मेरे पिताजी को दिखाने के लिए मैने बड़ौदा में कई बार प्रयास किया, लेकिन नंबर नहीं लग पाया इसलिए मैं इस निःशुल्क शिविर में उनका उपचार करवाने के लिए लेकर आया हूं । लायन अनिल जोशी एवं लायन सचिन शर्मा ने बताया कि बड़ौदा जायडस हॉस्पिटल से आए डॉ चतुर्भुज राठौड़ एक ऐसे डॉक्टर है जो कि मिर्गी रोगियों का ऑपरेशन के द्वारा भी इलाज करते है और मध्यप्रदेश में भी इस तरह का कोई सर्जन नहीं है और जरूरत पड़ने पर वे मध्यप्रदेश में भी आकर ऑपरेशन करते है। लायन सुधीर पांडे एवं जया शर्मा ने बताया कि लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा सभी मरीजों को भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पुराने शहर में दूसरे दिन भी पानी का संकट

ढाबा रोड पर मेन राइजिंग लाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद कई टंकियां नहीं भर सकीं, सुबह बूस्टिंग के समय बिजली गुल होने से बढ़ी परेशानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के पुराने क्षेत्रों में शनिवार को भी पेयजल संकट बना रहा। ढाबा रोड पर क्षतिग्रस्त हुई गंभीर परियोजना की मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत में हुई देरी और इसके बाद बिजली बाधित होने से कई इलाकों में जलापूर्ति नहीं हो सकी। भीषण गर्मी के बीच लोग पानी के लिए परेशान होते रहे और कई क्षेत्रों में नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी भी जताई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के हरियाखेड़ी परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान पोकलेन मशीन से गंभीर की मेन राइजिंग पाइपलाइन टूट गई थी। पाइपलाइन की मरम्मत दोपहर बाद पूरी हुई, लेकिन इसके बाद भी जलाशयों और टंकियों को भरने की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप पुराने शहर की कई टंकियां रात तक खाली रहीं। शनिवार सुबह जब जल वितरण के लिए बूस्टिंग की जा रही थी, उसी दौरान करीब 20 मिनट के लिए बिजली आपूर्ति बंद हो गई। इससे बूस्टर पंप बंद हो गए और पानी आगे नहीं पहुंच सका। इसका सीधा असर शहर के अनेक मोहल्लों में रहने वाले लोगों पर पड़ा, जहां नलों में पानी नहीं आया।

नाराज रहवासी पहुंचे जनप्रतिनिधियों के पास- जल संकट से परेशान नागरिकों ने जलकार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा के निवास पहुंचकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। कई वार्डों में पार्षदों को भी लोगों के सवालों का सामना करना पड़ा। नागरिकों का कहना था कि लगातार निर्माण कार्यों के कारण पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है।

इसलिए बिगड़ रही जलापूर्ति व्यवस्था-

1-निर्माण कार्यों से पाइपलाइनें हो रहीं क्षतिग्रस्त - सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में सड़क चौड़ीकरण और अन्य निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। समय सीमा में काम पूरा करने की जल्दबाजी में कई बार मशीनों से भूमिगत पाइपलाइनें टूट रही हैं।

2-विभागों में समन्वय का अभाव- नगर निगम के लोक निर्माण विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के बीच समन्वय की कमी भी समस्या का बड़ा कारण बन रही है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले पर्याप्त तकनीकी समन्वय नहीं होने से बार-बार जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

3-बिजली बाधा से बढ़ रही परेशानी- जल वितरण के लिए संचालित पंप पूरी तरह बिजली पर निर्भर हैं। पीएचई और विद्युत वितरण कंपनी के बीच बेहतर तालमेल नहीं होने के कारण अचानक शटडाउन और बिजली कटौती से जलापूर्ति प्रभावित हो रही है।

महापौर बोले- पानी की कमी नहीं, व्यवस्था सुधारेंगे- महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि शहर में गंभीर और नर्मदा दोनों स्रोतों से पर्याप्त पानी उपलब्ध है। समस्या जल वितरण व्यवस्था और विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण उत्पन्न हो रही है। उन्होंने जल्द ही संबंधित विभागों की बैठक बुलाकर व्यवस्था में सुधार करने की बात कही।

आज सामान्य जलप्रदाय का दावा- जलकार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा ने बताया कि मुख्य पाइपलाइन टूटने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हुई थी। मरम्मत कार्य पूरा हो चुका है और रविवार को निर्धारित समय पर जलप्रदाय करने का प्रयास किया जाएगा।

अवैध रूप से चल रहे डायग्नोस्टिक सेंटर को किया सील

लाईफ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर पर छापेमारी - कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं पाए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार शाम फ्रीगंज स्थित लाइफ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद सेंटर का पंचनामा बनाकर तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया।

मौके पर कार्रवाई के लिए पहुंचे दल के सदस्य डॉ. प्रदीप सोमेश ने बताया कि जांच के दौरान यह पाया गया कि सेंटर पर कार्यरत कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं थे और वे जांच कार्य कर रहे थे, जो नियमों के विरुद्ध है। जानकारी के अनुसार, इस डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन डॉ. पराग ढोबला और डॉ. संजय पाटीदार द्वारा किया जा रहा था। जांच टीम ने अनियमितताएं मिलने पर सेंटर को सील करने की कार्रवाई की। यह सेंटर डॉ. चन्द्रशेखर भार्गव के नाम से संचालित बताया जा रहा था। हालांकि जब जांच टीम ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इस सेंटर के संचालन से कोई संबंध नहीं है और उनके नाम का उपयोग कर अवैध रूप से पैथोलॉजी चलाई जा रही थी। जांच दल में डॉ. प्रदीप सोमेश, डॉ. विक्रम रघुवंशी और विकास राजपूत शामिल रहे।

डोडाचूरा तस्कर को 10 साल की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ डोडाचूरा का परिवहन करते हिरासत में आये तस्कर को न्यायालय ने 10 साल की सजा और 2 लाख रूपये अर्थदंड से दंडित किया है। मीडिया सेल प्रभारी कुलदीपसिंह भदौरिया ने बताया कि एसटीएफ इकाई उज्जैन में पदस्थ एएसआई देवेंद्र सिंह कुशवाह को मुखबिर सूचना मिली कि एक ट्राला जिसके पीछे अंग्रेजी में राजपूत लिखा है, जिसका ओमप्रकाश विश्नोई तथा उसके साथ आगे ट्राले की पायलेटिंग कार का चालक सोमराज दोनों ही निवासी बीकानेर तरफ के ट्राले में खली कपास्या के बोरों के नीचे तथा कार में नीमच तरफ से अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा लेकर उज्जैन आये हुए हैं। जो आगर रोड़ से राजस्थान जाने वाले हैं, जिनका ट्राला खराब होने से मक्सी रोड़ पर खड़े हैं। सूचना पर एसटीएफ टीम ने दबिश देकर मक्सी रोड़ से ट्रक और कार को जप्त कर तलाशी ली थी। कार तथा ट्रक में रखे 40 बोरों से 8 क्विंटल डोराचूरा बरामद किया था। पुलिस द्वारा मामले में आरोपी ओमप्रकाश पिता धूराराम 39 वर्ष निवासी ग्राम सादोलाई थाना बज्जू जिला बीकानेर (राजस्थान) के खिलाफ धारा 8/15 सी सहपठित धारा 29 एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। सुनवाई पूरी होने पर विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) पवन कुमार पटेल ने फैसला सुनाते हुए आरोपी ओमप्रकाश पिता धूराराम को 10 साल कारावास और 2 लाख रूपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

उन्हेल में युवक की हत्या, खेत में मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह खेत में लाश मिलने की खबर पर पुलिस पहुंची तो मामला हत्या का होना सामने आया। मृतक के सिर पर चोट के निशान थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों से पूछताछ जारी है उसके बाद ही हत्या की वजह सामने आ पाएगी।

उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि सुबह कुछ ग्रामीणों ने सूचना दी थी कि ग्राम पिपलिया डाबी में एक युवक की लाश पड़ी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची इस दौरान सामने आया कि मृतक की हत्या की गई है उसके सिर पर किसी भारी वस्तु या फिर लाठी से हमला किया गया है। मृतक की पहचान करने पर नाम भारत पिता भगवान सिंह राजपूत 38 साल निवासी पिपलिया डाबी होना सामने आया। जिस खेत में लाश मिली थी वह मृतक का ही होना बताया गया है। घटना की जानकारी लगने पर परिजन भी पहुंच गए थे। इस दौरान पता चला कि मृतक की पत्नी मायके गई हुई है रात में भारत खेत पर गया हुआ था। थाना प्रभारी के अनुसार फिलहाल हत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है परिजनों से पूछताछ कर जानकारी जुटा जा रही है। आशंका है कि पुराने विवाद के चलते हत्या को अंजाम दिया गया है। जांच के बाद मामला स्पष्ट हो पाएगा।

उन्हेल में 21 दिन में दूसरी हत्या

उन्हेल थाना क्षेत्र में 21 दिन में दूसरी हत्या होना सामने आया है इससे पहले 9 मई की सुबह ग्राम सरवाना में कच्चे मकान की खाट पर खून से सनी रतन पिता रूगनाथ बागरी की लाश मिली थी। उक्त मामले में अब तक पुलिस हत्या की वजह नहीं तलाश पाई है। आरोपियों का सुराग तक नहीं मिला है। पुलिस मामले में पारिवारिक विवाद मानकर जांच कर रही है। इस बीच आज सुबह दूसरा हत्या का मामला सामने आ गया।

तपिश से मिली राहत... सुबह हुई रिमझिम बारिश

मई में हुआ ठंडक का अहसास - रात का तापमान 5 डिग्री गिरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मई की भीषण गर्मी के बीच शनिवार को शहर का मौसम अचानक बदल गया। सुबह से शहर और आसपास के क्षेत्रों में मावठे की बारिश का दौर शुरु हो गया था। जो करीब 2 घंटे तक चला। इस दौरान रिमझिम पानी बरसा। इससे लोगों को मई में ठंडक का एहसास हुआ और न्यूनतम तापमान में भी 5 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। शहर में चल रहे निर्माण कार्य क्षेत्रों में कीचड़ फैल गया था। मंडी में खुले में रखा व्यापारियों का गेहूँ भी भीग गया था।

शनिवार सुबह रुक-रुक कर हो रही बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया । पिछले कई दिनों से 41 से 44 डिग्री सेल्सियस की गर्मी झेल रहे लोगों को सुबह के समय कुछ राहत महसूस हुई। हालांकि 10 बजे बाद धूप निकल आई थी। शनिवार सुबह 7 बजे के लगभग से धीमी लेकिन लगातार बारिश हो गई थी। यह दौर 9 बजे तक चला। इस दौरान आसमान घने बादलों से ढका हुआ नजर आ रहा था और बीच-बीच में बादलों की गरज भी सुनाई दे रही थी। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के अनुसार आज दिनभर बारिश और बादल बने रह सकते हैं। बारिश के कारण पूरे वातावरण में नमी बढ़ गई है और गर्म हवाओं का असर लगभग खत्म हो गया था। इधर मंडी में कई व्यापारियों का गेहूँ खुले में रखा हुआ था, वह भीग गया था।

तापमान में 5 डिग्री की गिरावट- बारिश का असर तापमान पर भी साफ दिखाई दिया है। पिछले दिनों जहां रात का न्यूनतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा था, वहीं शुक्रवार-शनिवार की रात यह घटकर 22 डिग्री पर पहुंच गया। यानी न्यूनतम तापमान में करीब 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। दिन का अधिकतम तापमान भी सामान्य 40 से 41 डिग्री के मुकाबले लगभग 5 डिग्री तक कम रहने की संभावना जताई जा रही है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

नौतपा में बारिश को लेकर किसानों में चर्चा- वर्तमान में नौतपा और रोहिणी नक्षत्र का समय चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मान्यता है कि इस दौरान बारिश नहीं होनी चाहिए। किसानों का मानना है कि नौतपा में होने वाली बारिश का असर फसलों और कृषि चक्र पर पड़ सकता है। इसी कारण बारिश को लेकर गांवों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। हालांकि मौसम के इस बदलाव को लेकर लोगों की अलग-अलग राय है, लेकिन भीषण गर्मी के बीच हुई इस बारिश ने आमजन को राहत जरूर पहुंचाई है। शहर में मौसम सुहाना हो गया है और लोगों को मई में ही ठंडक का अहसास होने लगा है।

निर्माण कार्यों पर पड़ सकता है असर- बारिश ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। शहर में कई स्थानों पर सडक़, पुल और अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं। आज सुबह इन इलाकों में कीचड़ फैल गया था। अगर लगातार बारिश होती है तो खुदाई और निर्माण कार्य प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि प्रशासन पहले ही निर्माण एजेंसियों को निर्देश दे चुका है कि मानसून पूर्व आवश्यक कार्य समय पर पूरे कर लिए जाएं और ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे बारिश के दौरान भी परियोजनाओं की गति प्रभावित न हो।

आग बुझाकर लौट रही फायर ब्रिगेड बीच रास्ते में खराब, दूसरी गाड़ी से खींचकर ले जाना पड़ा

एमआर-5 मार्ग पर घास में लगी आग बुझाने के बाद लौट रहा था वाहन, नगर निगम के 13 में से अधिकांश फायर वाहन हो चुके हैं पुराने

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम की फायर ब्रिगेड व्यवस्था की स्थिति उस समय उजागर हो गई जब आग बुझाकर लौट रही एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी रास्ते में ही खराब हो गई। वाहन को बाद में दूसरी फायर ब्रिगेड गाड़ी की मदद से खींचकर निगम परिसर तक ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 4 बजे फायर ब्रिगेड का वाहन एमआर-5 मार्ग स्थित चेंजिंग ग्राउंड क्षेत्र में घास में लगी आग बुझाने गया था। आग पर काबू पाने के बाद जब वाहन वापस लौट रहा था, तभी तकनीकी खराबी आने से वह रास्ते में बंद हो गया। इसके बाद विभाग ने दूसरी फायर ब्रिगेड गाड़ी मौके पर भेजी, जिसने खराब वाहन को खींचकर निगम परिसर तक पहुंचाया।

घटना के दौरान सड़क पर मौजूद लोगों की नजर खराब पड़े फायर वाहन पर पड़ी तो चर्चा का विषय बन गया। बताया जा रहा है कि नगर निगम के फायर ब्रिगेड विभाग के पास वर्तमान में 13 वाहन हैं, जिनमें से अधिकांश वर्षों पुराने हो चुके हैं। पुराने वाहनों में आए दिन तकनीकी खराबियां सामने आती रहती हैं।

शहर में बढ़ती आगजनी की घटनाओं और गर्मी के मौसम को देखते हुए फायर ब्रिगेड के वाहनों की विश्वसनीयता और रखरखाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि आपात स्थिति में यदि वाहन बीच रास्ते में खराब हो जाएं तो राहत और बचाव कार्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में फायर ब्रिगेड बेड़े के आधुनिकीकरण और नए वाहनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

चलती ट्रेन में चढ़ते वक्त गिरे महाराष्ट्र के वृद्ध की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगत की कोठी एक्सप्रेस से परिवार के साथ यात्रा कर रहे वृद्ध की उज्जैन स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय गिरने से मौत हो गई। उनके पास मिले दस्तावेजों से पहचान की गई। ट्रेन में ही बेटी और परिवार के अन्य सदस्य सवार थे। जानकारी मिलते ही सभी ट्रेन से उतर गए थे। आज सुबह वृद्ध का पोस्टमार्टम कराया गया।

जीआरपी थाना पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को भगत की कोठी एक्सप्रेस ट्रेन उज्जैन स्टेशन पहुंची थी। इस दौरान प्लेटफार्म पर ट्रेन में सवार 72 वर्षीय वृद्ध पानी लेने के लिए नीचे उतरे थे। इसी दौरान ट्रेन चल दी और जल्दबाजी में चढ़ने का प्रयास करते समय वृद्ध गिरकर पटरियों के बीच चले गए। प्लेटफार्म पर मौजूद लोगों और आरपीएफ टीम की मदद से उन्हें निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ देर बाद वृद्ध की मौत हो गई। उनके पास मिले दस्तावेजों से पहचान द्वारकादास पिता जगदेव बाकोड़े निवासी नीमगांव नांदूरा बुल्ढाणा महाराष्ट्र के रूप में हुई। घटनाक्रम प्लेटफार्म नंबर 1 पर स्टेशन मास्टर के ऑफिस के सामने हुआ। ट्रेन में सवार यात्रियों की जानकारी रेलवे पुलिस द्वारा स्टेशन मास्टर से जुटाई गई। इस दौरान सामने आया कि उक्त मृतक वृद्ध एस-4 कोच में सीट नंबर 55 पर 8-10 अन्य लोगों के साथ यात्रा कर रहे थे। तत्काल उनसे संपर्क कर जानकारी दी गई और अगले स्टेशन पर उन्हें उतारा गया। सभी लोग उज्जैन पहुंचे। इस दौरान सामने आया कि मृतक द्वारकादास के साथ उनकी पुत्री सुनंदा और परिवार के अन्य सदस्य सवार थे जो के रूधाम की यात्रा पर गए थे जहां से वापस अपने घर महाराष्ट्र लौट रहे थे। जीआरपी ने मामले में मर्ग कायम कर शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया है

11 मंदिरों के कायाकल्प के लिए 1100 करोड़ की योजना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन और आसपास के प्रमुख मंदिरों के विकास के लिए बड़े स्तर पर वित्तीय मॉडल तैयार किया गया है। कालभैरव, मंगलनाथ, सांदीपनी आश्रम, गढ़कालिका, सिद्धवट, भूखी माता, बगलामुखी माता समेत 11 मंदिरों के सुव्यवस्थित संचालन और जीर्णोद्धार पर करीब 1100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए 200 करोड़ रुपए के टेंपल बॉन्ड जारी किए जाएंगे। संभागायुक्त आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि टेंपल बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया 15 जुलाई तक पूरी कर ली जाए, ताकि 31 जुलाई तक बॉन्ड लॉन्च किए जा सकें। बैठक में उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और आगर-मालवा कलेक्टर प्रीति यादव भी शामिल हुई।बैठक में बताया गया कि 1100 करोड़ रुपए की परियोजना में 200 करोड़ रुपए टेंपल बॉन्ड, 275 करोड़ रुपए अर्बन चैलेंज फंड और 625 करोड़ रुपए बैंकों से वित्तीय सहायता के रूप में जुटाए जाएंगे। टेंपल बॉन्ड की अवधि 10 वर्ष निर्धारित की गई है। अधिकारियों के अनुसार इस योजना का उद्देश्य मंदिरों का संरक्षण, सुविधाओं का विस्तार और श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में यूडीए सीईओ संदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जानकीनगर में दो भाइयों को कजिन भाइयों ने मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मामा को पुत्र द्वारा खाना नहीं दिए जाने पर दो भाई मामा के पुत्र को समझाने पहुंचे तो उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दोनों भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज किया है चाकू मारने वाले और उसके साथियों की तलाश की जा रही है।

जानकी नगर में रहने वाले विजय पिता ओमप्रकाश और उसके भाई सुनील को घायल हालत में चरक अस्पताल लाया गया था दोनों को चाकू के घाव होने पर डॉक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती किया। घायल भाइयों ने बताया कि उनके घर से कुछ दूरी पर ही मामा अनोखीलाल रहते हैं। मामी का निधन हो चुका है। मामा के साथ उनका बेटा मिथुन रहता है, लेकिन वह मामा को खाना नहीं देता है। कई दिनों से मामा उनके यहां खाना खाने आ रहे हैं।

जिसको लेकर वह मिथुन को समझने के लिए रात को उसके घर पहुंचे थे। जहां मिथुन ने विवाद शुरू कर दिया और अपने दोस्त गोलू आशीष पप्पू और नाना को बुलाकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट का विरोध किया तो मिथुन ने चाकू से हमला कर दिया।

चाकूबाजी में दो भाइयों के घायल होने की खबर जीवाजीगंज थाना पुलिस को मिली तो दोनों के बयान दर्ज करने पुलिस अस्पताल पहुंची। मामले में मिथुन और उसके दोस्तों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सिंहस्थ में ट्रेनों द्वारा एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु सफर करेंगे

पिछले सिंहस्थ में 20 लाख लोग पहुंचे थे ट्रेनों से - रेलवे ने तैयार की योजना, 100 विशेष गाडियां चलेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे ने सिंहस्थ 2028 के दौरान एक करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन आवागमन का अनुमान लगाया है। इस अनुसार तैयारी भी की जा रही है। उज्जैन और आसपास के रेलवे स्टेशनों का विकास किया जाएगा। 100 विशेष ट्रेन का संचालन होगा। प्रयागराज से ज्यादा होल्डिंग एरिया बनेंगे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन स्टेशन सहित उज्जैन के पास फ्लैग स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा और 100 विशेष गाडियां भी चलेंगी। आगामी सिंहस्थ मेले में शामिल होने के लिए करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं के रेल यात्रा द्वारा उज्जैन आने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा के लिए नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन, विक्रम नगर और पंवासा स्टेशन को तैयार करवाया जा रहा है। सिंहस्थ से पहले सभी कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सिंहस्थ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 100 विशेष ट्रेन चलाई जाएँगी। इतना ही नहीं प्रयागराज कुम्भ की तरह उज्जैन में भी बेहतर कार्य होगा। 8 या 9 स्थानों पर होल्ड अप एरिये बनाये जाएँगे। पिछले सिंहस्थ मेले में करीब 20 लाख लोग रेल से सफर करके उज्जैन पहुँचे थे। 2028 के सिंहस्थ मेले में करीब एक करोड़ श्रद्धालु रेल से उज्जैन आएंगे।

यह है प्रस्तावित कार्ययोजना

- सिंहस्थ के दौरान नियमित यात्री ट्रेनें उज्जैन रेलवे स्टेशन से नहीं गुजरेंगी। मुख्य स्टेशन पर केवल मेला से संबंधित विशेष ट्रेनें ही संचालित की जाएगी, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और व्यवस्था प्रभावित न हो।
- रेगुलर ट्रेनों के लिए वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया जाएगा।
- मक्सी और नागदा रेलवे स्टेशनों का विशेष उन्नयन करने की योजना है। इन दोनों स्टेशनों को मेला स्पेशल ट्रेनों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।
- पिंगलेश्वर और नईखेड़ी स्टेशनों का उपयोग सहायक स्टेशनों के रूप में किया जाएगा।
- आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विक्रम नगर और चिंतामण रेलवे स्टेशनों को रिजर्व स्टेशन घोषित किया गया है।
- उज्जैन रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर होल्डिंग एरिया तैयार किया जाएगा, जहाँ यात्रियों को अस्थायी रूप से रोका जा सकेगा।
- स्टेशन पर नया फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जाएगा, जिससे यातायात संचालन बेहतर और सुरक्षित हो सके।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा लोक सेवा आयोग की परीक्षाओ के समूहिकरण का प्रदेश स्तर पर परीक्षार्थियों द्वारा विरोध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समूहीकरण करने पर भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में आक्रोश है। इस संदर्भ में अनेक अभ्यर्थियों ने सरकार के प्रति आक्रोश व्यक्त किया है।

मालवा निमाड़ एवं मध्य भारत के छात्र संगठनों ने बैठक आयोजित कर सभी के अभिमत जाने। परीक्षार्थियों ने इसे सामान्य प्रशासन विभाग की एक तरफ़ा कार्यवाही माना। मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग इस समय केलेंडर अनुसार परीक्षाएं आयोजित कर रहा है। ।देश के किसी भी आयोग में परीक्षाओं का समूहीकरण नहीं है लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग देश के किसी भी आयोग का अभिमत जाने बिना मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग पर यह फैसला थोपने जा रहा है।

इससे सभी वर्ग के परीक्षार्थियों में आक्रोश है।परीक्षार्थियों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।ग्रामीण अंचल , अनुसूचितजाति एवं जनजाति , ओबीसी एवं सामान्य वर्ग के सभी छात्रों ने आक्रोश व्यक्त कर आंदोलन की चेतावनी दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 5 जून तक सभी से अभिमत चाहा है। उसके बाद ही इसे कैबिनेट स्तर पर लाया जाएगा। इस प्रतिनिधि को अनेक छात्रों ,माता पिताओं द्वारा अवगत कराया गया कि वे इस फैसले के खिलाफ है।क्या सरकार हर फैसले को केबिनेट में लाने से पूर्व आम जन से अभिमत लेती है? तो फिर सिर्फ इसी फैसले पर जन अभिमत क्यों मांगा गया है? सरकार की यह नीति युवाओं के लिए आक्रोश का मुद्दा है।

आगामी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे परीक्षार्थियों ने समूहीकरण के कुछ विपरीत परिणाम व्यक्त किये..उनके अनुसार

1 यदि समूहीकरण लागू होता है तो परीक्षाओं के अनेक अवसर समाप्त हो जाएंगे - यदि कई पद एक ही समूह में हैं, तो एक बार असफल होने पर अभ्यर्थी उन सभी पदों की दौड़ से बाहर हो सकता है।

2 पदों की प्रकृति अलग होने पर एक समान परीक्षा उचित नहीं - प्रशासनिक, तकनीकी, लेखा, वैज्ञानिक या शिक्षण जैसे पदों के लिए आवश्यक योग्यताएँ भिन्न होती हैं। एक ही प्रश्नपत्र से सभी पदों के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी चुनना कठिन हो सकता है। सहायक प्राध्यापक की परीक्षा तो विषयवार ही आवश्यक तभी उनकी उस विषय मे योग्यता का परीक्षण संभव

3 चयन की संभावनाएँ घट जाती हैं - पहले अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से अभ्यर्थी को कई अवसर मिलते थे। समूहीकरण के बाद अवसरों की संख्या प्रभावी रूप से कम हो सकती है।

4 एक दिन या एक परीक्षा के प्रदर्शन पर अत्यधिक निर्भरता - बीमारी, तकनीकी समस्या, मानसिक तनाव या किसी अन्य कारण से उस दिन प्रदर्शन खराब होने पर कई भर्तियों का नुकसान हो सकता है।

5 मेधा सूची में कृत्रिम प्रतिस्पर्धा - जिन अभ्यर्थियों की रुचि और योग्यता अलग-अलग पदों के लिए है, वे भी एक ही मेरिट सूची में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

6 पद-विशिष्ट प्रतिभा की पहचान कठिन- सामान्य परीक्षा किसी विशेष क्षेत्र में उत्कृष्ट अभ्यर्थियों की क्षमता का सही आकलन नहीं कर सकती।

7 ग्रामीण एवं वंचित पृष्ठभूमि के अभ्यर्थियों पर अतिरिक्त दबाव ङ्क उन्हें व्यापक पाठ्यक्रम और अधिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है।

8 रिक्त पदों के अनुरूप चयन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है - समान परीक्षा में उच्च अंक लाने वाला अभ्यर्थी आवश्यक नहीं कि प्रत्येक पद के लिए सबसे उपयुक्त भी हो।

9 अभ्यर्थियों की रणनीतिक पसंद सीमित हो जाती है - पहले वे अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार विभिन्न परीक्षाओं में अलग-अलग प्रयास कर सकते थे।

10 परीक्षा निरस्त या विवादित होने पर व्यापक प्रभाव - एक ही परीक्षा पर कई भर्तियाँ निर्भर हों तो किसी विवाद, न्यायिक चुनौती या पेपर लीक का असर हजारों अभ्यर्थियों और अनेक पदों पर एक साथ पड़ सकता है।

इस निर्णय पर पुनर्विचार आवश्यक है । इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए।

जहरीले जानवर के काटने से युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर में सो रहे युवक को रात में जहरीले जानवर ने काट लिया नींद खुलने पर उसे कमर में जलन होने लगी कुछ देर बाद ही सूजन आ गई युवक को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई। मामला मक्सी रोड स्थित ग्राम पाटपाला का सामने आया है। यहां रहने वाला राहुल पिता शिवनारायण नायक 28 साल गांव में ही मुरलीधर के यहां हाली का काम करता था। रात में अपने घर पर सोया हुआ था इस दौरान उसे महसूस हुआ की कमर में किसी जानवर ने काटा है वह नींद से जाग गया उसे काफी जलन महसूस हो रही थी। परिजन भी राहुल के कमरे में पहुंच गए लेकिन घर में कुछ दिखाई नहीं दिया। राहुल की कमर में काफी सूजन आ गई उसे रात में ही परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन रात 3ञ30 बजे राहुल की मौत हो गई। मामले में पंवासा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट होगा कि राहुल को कौन से जानवर ने काटा था और उसकी मौत की वजह क्या है।